राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार,११ मार्च २०२१ वर्ष-४, अंक -४७ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भाजपा ने जारी की स्टार प्रचारकों की सूची, मोदी, योगी और मिथुन समेत इन नेताओं के नाम

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को पश्चिम बंगाल और असम विधानसभा चुनाव में प्रचार करने के लिए अपने स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। इस सूची में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, हाल ही में भाजपा में शामिल हुए मिथुन चक्रवर्ती समेत कई बड़े नेताओं का नाम है।

इन नेताओं के कंधे पर भाजपा को जिताने की जिम्मेदारी

पश्चिम बंगाल के लिए पार्टी के स्टार प्रचारकों में राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, अर्जुन मुंडा, धर्मेंद्र प्रधान, स्मृति इरानी, कैलाश विजयवर्गीय, शिवप्रकाश, मुकुल रॉय, दिलीप घोष, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ, फग्गन सिंह कुलस्ते, मनसुख भाई मंडाविया, जुवेल ओराम, राजीब बनर्जी, अरविंद मेनन, अमित मालवीय, बाबुल सुप्रियो, देबाश्री चौधरी, नरोत्तम मिश्रा, बाबूलाल मरांडी, रघुवर दास, लॉकेट चटर्जी, राजू बैनर्जी, अमिताव चक्रवर्ती, ज्योतिर्मय सिंह महतो, सुभाष सरकार, कुनार हेमबरम, यशदास गुप्ता, श्रबंती चैटर्जी, हीरेन चैटर्जी और पायल सरकार शामिल हैं।

पश्चिम बंगाल में रह रहे बिहारी मतदाताओं को खींचने के लिए मनोज तिवारी भी प्रचार करेंग, तो महाभारत सीरियल में द्रौपदी का किरदार निभाकर लोगप्रिय हुईं भाजपा नेता रूपा गांगुली भी पार्टी के लिए प्रचार करेंगी। कुल 40 स्टार प्रचारकों में केंद्रीय नेताओं के साथ पश्चिम बंगाल में लोक्रप्रिय चेहरों को भी मैदान में उतारा गया है।

ये नेता बनाएंगे जनता के बीच भाजपा की पैठ

भाजपा की असम के लिए जारी की गई स्टार कैंपेनरों की लिस्ट में भी पार्टी के सभी शीर्ष नेता शामिल हैं। इनमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, जेपी नड्डा, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, बीएल संतोष, सर्वानंद सोनोवाल, हेमंतविश्व शर्मा, रनजीत कुमार दास, अर्जुन मुंडा, नरेंद्र सिंह तोमर, स्मृति इरानी, मुख्तार अब्बास नकवी और जितेंद्र सिंह का नाम शामिल है। इनके अलावा, असम में रामेश्वर तेली, शिवराज सिंह चौहान, एनबीरेन सिंह, पेमा खांडू, विजयंत जे पांडा, दिलीप सैकिया, पवन शर्मा, अजय जामवाल, सैयद शाहनवाज हुसैन, फनिंद्रनाथ शर्मा, रमन डेका, राजेन गोहेन, राजदीप रॉय, कृपानाथ मल्लाह, हरेन सिंह बे, तोपोन कुमार गोगोई, कामाखया प्रसाद तासा, प्रधान बरुआ, पल्लब लोचन दास, क्रीन ओझा, बुबनेश्वर कलिता, बिश्वजीत डोईमैरी और अपराजिता भुयन को भी स्टार कैंपेनर बनाया गया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ असम में भी पार्टी के स्टार प्रचारक रहेंगे। वहीं असम में बिहारी लोगों की भारी संख्या को देखते हुए प्रसिद्ध भोजपुरी गायक और पार्टी सांसद मनोज तिवारी और बॉलीवुड एक्टर रविकिशन भी पार्टी के लिए प्रचार करते नजर आएंगे।

पश्चिम बंगाल में रह रहे बिहारी मतदाताओं को खींचने के लिए मनोज तिवारी भी प्रचार करेंग, तो महाभारत सीरियल में द्रौपदी का किरदार निभाकर लोगप्रिय हुईं भाजपा नेता रूपा गांगुली भी पार्टी के लिए प्रचार करेंगी। कुल 40 स्टार प्रचारकों में केंद्रीय नेताओं के साथ पश्चिम बंगाल में लोक्रप्रिय चेहरों को भी मैदान में उतारा गया है।

क्या सोना तस्करी को कह सकते हैं आतंकी गतिविधि, सुप्रीम कोर्ट करेगा विचार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने इस प्रश्न पर विचार करने की सहमति जता दी है कि क्या सोना तस्करी के अपराध को गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत आतंकी गतिविधि कहा जा सकता है। जस्टिस आरएफ नरीमन और जस्टिस बीआर गवई की पीठ ने राजस्थान हाई कोर्ट के एक आदेश के खिलाफ याचिका पर केंद्र और राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) को नोटिस जारी किया। हाई कोर्ट ने जांच एजेंसी द्वारा यूएपीए के तहत अपराधों के लिए दर्ज प्राथमिकी को रद करने से इन्कार कर दिया था। जयपुर अंतरराष्ट्रीय विमानपत्तन पर डेढ़ किग्रा से अधिक सोने की तस्करी करते हुए पकड़े गए याचिकाकर्ता मुहम्मद असलम ने एनआइए द्वारा यूएपीए के प्रावधानों के तहत दर्ज प्राथमिकी में गिरफ्तारी, जांच और कार्यवाही पर रोक लगाने की मांग की थी। यूएपीए की धारा 15 में कहा गया है कि जो कोई भी भारत की आर्थिक सुरक्षा को खतरे में डालने के इरादे से कोई भी कार्य करता है वह आतंकवाद अधिनियम के तहत आता है। वकील आदित्य जैन द्वारा दाखिल याचिका में कहा गया कि मामला एनआइए को स्थानांतरित किए जाने के बाद उसने इस आधार पर प्राथमिकी दर्ज की थी कि असलम द्वारा सोने की तस्करी आर्थिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने और भारत में मौद्रिक स्थिरता को क्षति पहुंचाने की मंशा से की गई थी। असलम ने दलील दी कि सीमा शुल्क अधिकारियों द्वारा पहली प्राथमिकी दर्ज किए जाने के बाद एनआइए द्वारा दर्ज दूसरी प्राथमिकी एकपक्षीय है और उसके खिलाफ आर्थिक आतंकवाद का प्रथम दृष्टया कोई मामला नहीं बनता। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता को किसी भी आतंकवादी या किसी चरमपंथी समूह के साथ नहीं पाया गया है और उसकी पृष्ठभूमि बिल्कुल भी संदिग्ध नहीं है। असलम ने दावा किया कि वह मई 2018 से सऊदी अरब में मजदूर के रूप में काम कर रहा था, लेकिन कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण उसे अपनी नौकरी खोनी पड़ी।

फ्लाइट में यात्रियों के ढंग से मास्क नहीं पहनने की स्थिति पर हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने फ्लाइट में यात्रियों द्वारा ठीक से मास्क नहीं पहनने की चिंताजनक स्थिति पर संज्ञान लिया है। इस संबंध में सख्त अनुपालन के लिए सभी घरेलू एयरलाइंस और डीजीसीए को दिशानिर्देश जारी किए हैं। इसमें उल्लंघनकर्ताओं के लिए दंडात्मक कार्रवाई और विमान की समय-समय पर जांच करना शामिल है। जस्टिस सी हरिशंकर की बेंच ने देखा कि यात्री हवाईअड्डे से उड़ान तक जाने के दौरान ठीक तरह से मास्क नहीं पहने हुए थे। उन्होंने स्थिति का स्वतः संज्ञान लिया और अनुपालन के लिए तत्काल दिशानिर्देश जारी किए। हाईकोर्ट ने सोमवार को पारित अपने आदेश में कहा वह एक खतरनाक स्थिति के कारण आदेश पारित करने के लिए विवश हुआ, जिसे न्यायाधीश ने गत पांच मार्च को कोलकाता से नई दिल्ली के लिए एयर इंडिया की उड़ान के दौरान खुद देखा था। उन्होंने कहा कि यह देखा गया कि सभी यात्रियों ने मास्क लगा रखे थे, लेकिन कई ने मास्क अपनी ठुड्डी के नीचे पहना हुआ था। जस्टिस हरिशंकर ने कहा कि 'यह व्यवहार न केवल एयरपोर्ट से विमान में जाने के दौरान, बल्कि उड़ान के भीतर भी देखा गया। यात्रियों को बार-बार टोके जाने पर उन्होंने अपने मास्क ठीक से पहने। कोर्ट ने कहा कि चालक दल के सदस्यों से इस संबंध में पूछने पर उन्होंने कहा कि सभी यात्रियों को मास्क पहनने के लिए निर्देशित किया था, लेकिन यदि उन्होंने इसका पालन नहीं किया तो वे असहाय हैं। बेंच ने कहा कि ऐसी स्थिति तब है जब देश में कोविड-19 के मामले फिर से बढ़ रहे हैं। जस्टिस हरिशंकर ने कहा कि किसी फ्लाइट में यात्री बंद वातानुकूलित वातावरण में होते हैं और भले ही यात्रियों में से कोई एक भी कोविड-19 से पीड़ित हो, तो भी अन्य यात्रियों पर इसका खतरनाक प्रभाव हो सकता है। बेंच द्वारा तत्काल और सख्त अनुपालन के लिए तैयार किए गए दिशानिर्देशों में उड़ान के चालक दल के सदस्यों द्वारा विमान की आवधिक जांच करना शामिल है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि यात्री प्रोटोकॉल का पालन कर रहे हैं, खासकर मास्क पहनने के संबंध में।

बंगाल चुनाव में 'जय श्री राम' के नारे पर सुप्रीम कोर्ट ने नहीं लगाई रोक

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को सुप्रीम कोर्ट से दो जीत मिली। कोर्ट ने एक तरफ कोर्ट ने चुनाव कैंपेन में 'जय श्री राम' के नारे के इस्तेमाल के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी तो एक अन्य केस में बीजेपी के डेरबा से उम्मीदवार पूर्व आईपीएस ऑफिसर भारती घोष के खिलाफ जारी अरेस्ट वारंट पर स्टे लगा दिया। सुप्रीम कोर्ट के वकील मनोहर लाल शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका में कहा गया कि धार्मिक नारे का इस्तेमाल जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 123 (3) और 125 के तहत अपराध है। इन प्रावधानों के मुताबिक, कोई भी उम्मीदवार या चुनाव प्रक्रिया से जुड़े किसी शख्स को धर्म, जाति, समुदाय या भाषा के नाम पर भावनाएं भड़काने की इजाजत नहीं है। याचिका में गृहमंत्री अमित शाह और बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी का भी नाम लिया गया था और मांग की गई थी कि सीबीआई उनके खिलाफ केस दर्ज करे। साथ ही राजनीति पार्टी को धार्मिक नारे के इस्तेमाल

से रोकने की मांग की गई थी। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एसए बोबडे की अगुआई में तीन जजों की बेंच ने याचिका को खारिज कर दिया और याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट जाने को कहा।

सीजेआई के साथ जस्टिस एस बोपन्ना और वी रामासुब्रमण्यम की बेंच ने कहा, 'इस स्थिति में, धर्म के नाम पर वोट मांगने पर, एकमात्र उपाय चुनाव याचिका से हाई कोर्ट जाना है।' याचिका में पश्चिम बंगाल में 8 चरणों में चुनाव कराने के चुनाव आयोग के फैसले पर भी सवाल उठाया गया था। शर्मा ने याचिका में कहा कि दूसरे राज्यों में एक फेज में ही चुनाव हो रहा है जबकि बंगाल में 8 फेज में चुनाव कराया जा रहा है, जबकि यह किसी आतंकी हमले का सामना नहीं कर रहा है ना ही अशांत क्षेत्र है, यह भारतीय संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता का अधिकार) का उल्लंघन है। जब शर्मा ने इस बिंदु पर बहस करना चाहा, तो पीठ ने कहा, 'हमने आपकी पूरी याचिका पढ़ ली है। हम इसे नहीं सुनेंगे। याचिका खारिज की जाती है।' वरिष्ठ वकील हरीश साल्वे चुनाव आयोग की ओर से पेश, लेकिन उन्हें कोई दलील देने की आवश्यकता नहीं पड़ी।

अनुच्छेद 370 रद होने के बाद जम्मू-कश्मीर में कम हुई आतंकी हिंसा

नई दिल्ली। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 रद किए जाने के बाद से जम्मू--कश्मीर में आतंकी हिसा में उल्लेखनीय रूप से कमी आई है। सरकार ने 2019 की तुलना में केंद्र शासित प्रदेश में 2020 में आतंकी घटनाओं में कमी आने का उदाहरण दिया है। केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी. किशन रेड्डी ने मंगलवार को लोकसभा में बताया कि केंद्र शासित प्रदेश में अलगाववादियों, ओवर ग्राउंड कार्यकर्ताओं, पथराव करने वालों समेत करीब 173 लोग अभी तक हिरासत में हैं।

केंद्रीय मंत्री ने सदन को बताया कि पाकिस्तान की शह पर भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने वाले 42 संगठनों पर सरकार ने प्रतिबंध लगा रखा है। ऐसे आतंकी संगठनों में लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मुहम्मद शामिल हैं। एक लिखित उत्तर में रेड्डी ने कहा कि 2020 में जम्मू एवं कश्मीर में 244 आतंकी घटनाएं हुई। इससे पहले 2019 में 594 ऐसी घटनाएं हुई थीं। 2020 में 221 आतंकी ढेर किए गए जबकि एक साल पहले 2019 में 157 आतंकी मारे गए थे। उन्होंने कहा कि 2020 में 33 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए और छह नागरिकों की मौत हुई थी जबकि 2019 में 27 सुरक्षाकर्मी शहीद हुए थे और पांच नागरिकों की जान गई। केंद्र शासित प्रदेश में इस साल फरवरी में 15 आतंकी घटनाएं हुई जिसमें आठ आतंकी मारे गए। एक अन्य सवाल के लिखित उत्तर में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री ने बताया, 'एक अगस्त, 2019 के बाद से कई अलगाववादियों, पथराव करने वालों समेत 627 लोगों को अलग--अलग समय पर हिरासत में लिया गया था। नियमित समीक्षा एवं वास्तविक स्थिति के आधार पर इनमें से 454 लोग अभी तक रिहा किए जा चुके हैं।'

103 साल की दादी को लगा कोरोना का टीका, बनीं वैक्सीन लगवाने वाली देश की सबसे बुजुर्ग महिला

नई दिल्ली। भारत में दुनिया का सबसे बड़ा टीकाकरण अभियान चालू है, जिसे अब आम लोगों के लिए भी खोल दिया गया है। मंगलवार को बेंगलुरु में 103 साल की महिला ने कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक ली, इसी के साथ ही जे कमेश्वरी वैक्सीन लेनी वाली भारत की सबसे बुजुर्ग महिला बन गई हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के दिए आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रव्यापी कोविड -19 टीकाकरण में अब तक 2.40 करोड़ लोगों को टीका लगाया जा चुका है। मंगलवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ये आंकड़े साझा किए। केंद्र सरकार राज्यों में कोविड -19 टीकाकरण अभियान को तेज करने पर जोर दे रही है क्योंकि सरकार ने 1 मार्च से टीकाकरण के दूसरे चरण की शुरुआत की थी। इस चरण में, 60 वर्ष से अधिक आयु के और गंभीर बिमारियों से लिप्त 45 वर्ष से अधिक आयु वाले लोग कोविड -19 वैक्सीन के रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं और खुराक प्राप्त कर सकते हैं। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मंगलवार को शाम 7 बजे तक आई अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार, देश में कुल 2,40,37,644 वैक्सीन खुराक दी गईं। रिलीज में कहा गया. इनमें 71,13,801 स्वास्थ्य देखभाल कार्यकर्ता (एचसीडब्ल्यू) शामिल हैं जिन्होंने पहली खुराक ली है और 38,51,808 एचसीडब्ल्यू ने दूसरी खुराक ली है, 69,02,006 फ्रंट लाइन कार्यकर्ता (एफएलडब्ल्यू) जिन्होंने पहली खुराक ली है और 4,44,199 एफएलडब्ल्यू जिन्होंने दूसरी खुराक ली है, 45 से अधिक आयु वर्ग के 8,00,287 लाभार्थीऔर 60 वर्ष से अधिक आयु 49,25,543 लाभार्थियों को टीका लगाया गया है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रव्यापी कोविड-19 टीकाकरण के 53 वें दिन मंगलवार शाम 7 बजे तक कुल 10,28,911 वैक्सीन की खुराक दी गई। मंत्रालय ने कहा, 'जिनमें से 7,98,354 लाभार्थियों को पहली खुराक के लिए टीका लगाया गया था और 2,30,557 एचसीडब्ल्यू और एफएलडब्ल्यू को अनंतिम रिपोर्ट के अनुसार वैक्सीन की दूसरी खुराक दी गई। अंतिम रिपोर्ट देर रात तक पूरी हो जाएगी।'

● स्वास्थ्य मंत्रालय के दिए आंकड़ों के अनुसार राष्ट्रव्यापी कोविड -19 टीकाकरण में अब तक 2.40 करोड़ लोगों को टीका लगाया जा चुका है। मंगलवार को स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने ये आंकड़े साझा किए।

अब समुद्र में भी चीन के नापाक मंसूबों पर पानी फेरेगा भारत

नई दिल्ली। समुद्र में बढ़ती चीन की ताकत और उसके वर्चस्व को देखते हुए भारत ने भी अपनी तैयारी मजूबत कर ली है और नौसेना की ताकत में इजाफा करने के लिए भारत छह परमाणु शक्ति चलित पनडुब्बियों को नौसेना में शामिल करने की योजना पर तेजी से काम कर रहा है। 8 मार्च यानी सोमवार को रक्षा अनुसंधान और विकास संगठनने मुंबई में एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक का परीक्षण किया। इस परीक्षण को एक बड़ा कदम माना जा रहा है, क्योंकि यह तकनीक भारतीय पनडुब्बियों को समुद्र के भीतर और भी अधिक घातक बना देगा। एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन तकनीक पनडुब्बी को पानी के नीचे अधिक समय तक रहने की इजाजत देता है और एक परमाणु पनडुब्बी की तुलना में इसे शांत रखते हुए उप-सतह (सब-सरफेस) के प्लेटफॉर्म को और अधिक घातक बनाता है। इसका मतलब है कि यह दुश्मनों को चकमा देने में सफल होगा।

कलवरी क्लास की तीसरी पनडुब्बी INS करंज आज यानी 10 मार्च को भारतीय नौसेना में शामिल हो जाएगी। अब इस एआईपी तकनीक को कलवरी श्रेणी की पनडुब्बियों में जोड़ा जाएगा। भारतीय नौसेना ने अब अपने सभी कलवरी क्लास के गैर-परमाणु अटैक को एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन में बदलने की योजना बनाई है। माना जा रहा है कि 2023 तक यह काम पूरा हो जाएगा। विश्लेषकों का कहना है कि इस परीक्षण को अलग से देखे जाने की बजाय नौसेना की समग्र क्षमता-निर्माण योजनाओं के हिस्से के रूप में देखा

जाना चाहिए, जिसमें छह परमाणु शक्ति चलित अटैक पनडुब्बियों या एसएसएन का निर्माण करने की योजना है। यह परियोजना वापस पटरी पर लौट आई है और इसके बारे में कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में गुजरात के केवडिया में चर्चा की गई थी, जिसमें इस साल के अंत में इसके दूसरे एयरक्राफ्ट क रियर आईएनएस विक्रांत के कमीशनिंग की बात हुई। विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी नौसेना की ताकत का मुकाबला करने के लिए भारत तैयार है। उनका कहना है कि इन योजनाओं को भारतीय नौसेना द्वारा चीन की नौसेना की बढ़ती ताकत का मुकाबला करने के लिए एक ठोस कदम के रूप में भी देखा जाना चाहिए। चीनी नौसेना की ताकत लगातार बढ़ती जा रही है। युद्धपोत जहाजों की संख्या के मामले में चीन ने अमेरिकी नौसेना को पछाड़ दिया है, हालांकि क्षमता और टन भार के मामले में अमेरिका अब भी चीन से काफी आगे है। पनडुब्बियों में वर्तमान में रूस से लीज पर लिया गया भारत के पास केवल एक अकुला क्लास एसएसएन है और एक 2025 से पहले लीज पर आने की उम्मीद है। विश्लेषकों का कहना है कि भारतीय नौसेना की ताकत में इस साल बड़ा इजाफा होने वाला है और रक्षा मंत्रालय इसके लिए पूरी चुस्ता से जुटा हुआ है। एचटी को पता चला है कि पूर्वी लद्दाख में विघटन को लेकर बैठक के दौरान चीनी वार्ताकारों ने भारत से हिंद महासागर में PLA नौसेना के खिलाफ भारतीय नौसेना के आक्रामक होने की शिकायत की। भारत की इस तत्परता और चौकन्ने रहने से चीन की नौसेना को सिर्फ अदन की खाड़ी के आसपास ही सीमित कर दिया है। पूरे हिन्दमहासागर में कहीं और चीनी युद्धपोत की मौजूदगी नहीं है। चीन से तनातनी के बीच भारतीय नौसेना ने पूर्ण तैनाती की है। हालांकि, भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा प्लानर्स चीनी नौसेना के विस्तार को लेकर चिंतित हैं और उम्मीद की जा रही है कि साल 2023 तक चीनी मालवाहक स्ट्राइक फोर्स की तैनाती बीजिंग में इस साल तीसरे विमान वाहक के रूप में शुरू हो जाएगी। कई वजहों में से एक यह भी कारण है कि भारतीय नौसेना ने अपनी क्षमता-निर्माण अभियान को शुरू किया है। भारत इस साल अपने दूसरे विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत और दूसरे परमाणु ऊर्जा चालित बैलिस्टिक मिसाइल पनडुब्बी (एसएसबीएन) आईएनएस अरिघाट को चालू करेगा। जबकि INS विक्रमादित्य भारत के पश्चिमी समुद्री तट पर स्थित होगा, INS विक्रांत पूर्वी समुद्री तट पर होगा। प्रत्येक के पास अपनी स्ट्राइक फोर्स के हिस्से के रूप में एक SSBN और SSN होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

नंदीग्राम का संग्राम

विधानसभा चुनाव वैसे तो पांच राज्यों में हो रहे हैं, लेकिन जिस एक विधानसभा सीट पर न सिर्फ पूरे देश, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में दिलचस्पी रखने वाले बाहर के लोगों की निगाहें भी केंद्रित हो गई हैं, वह है पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम सीट। तृणमूल कांग्रेस की मुखिया और राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी आज यहां से अपना नामांकन दाखिल कर रही हैं, जबकि उनके मुकाबले में भाजपा ने हाल ही में तृणमूल छोड़कर आए शुभेंदु अधिकारी को उतारा है। शुभेंदु इस इलाके से लंबे समय से संसद व विधानसभा में पहुंचते रहे हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में उन्होंने 80 हजार से भी अधिक वोटों से वाम मोर्चे के प्रत्याशी को हराया था। इसके बावजूद ममता बनर्जी ने नंदीग्राम से चुनाव लड़ने का फैसला करके शायद अपने कार्यकर्ताओं को यह संदेश देने का काम किया है कि वह जोखिम से घबराने वाली नेता नहीं हैं। ममता बनर्जी के राजनीतिक उत्थान में सिंगूर और नंदीग्राम का काफी महत्व है। वाम मोर्चे की साढ़े तीन दशक पुरानी सत्ता को खत्म करने में नंदीग्राम आंदोलन ने कितनी बड़ी भूमिका निभाई थी, यह देश जानता है। पिछले एक दशक से यह तृणमूल का गढ़ रहा है। ऐसे में, इस पर किसी अन्य दल को पांव जमाने से रोकने के लिए ममता के पास इससे बेहतर और कोई दांव हो भी नहीं सकता था। इस चुनावी संग्राम को जैसे उन्होंने तृणमूल के वजूद से जोड़ दिया है। लेकिन इस बार उनके सामने वह भाजपा है, जो प्रचुर संसाधनों, धारदार प्रचार अभियानों के साथ-साथ 'अभी नहीं, तो कभी नहीं' की रणनीति पर हर चुनाव लड़ने में यकीन रखती है। पश्चिम बंगाल का विधानसभा चुनाव किस तरह विकास के स्थानीय मुद्दों के बजाय ध्रुवीकरण के खेल में उलझ गया है, इसको नंदीग्राम बता रहा है। इस विधानसभा क्षेत्र में बहुसंख्यक मतदाता अधिक हैं, और भाजपा 'जय श्रीराम' के नारे के साथ उन्हें अपने पाले में करने के लिए काफी प्रखर चुनाव अभियान चला रही है। ममता बनर्जी ने कल नंदीग्राम की जनसभा में जिस तरह से 'चंडी पाठ' किया और लोगों से कहा कि वह 'शिवरात्रि' भी उनके बीच ही मनाएंगी, यह उजागर करता है कि धार्मिक ध्रुवीकरण की चुनौती उनके लिए कितनी अहम हो चली है। भारतीय राजनीति के लिए यह चिंता की बात है कि जब मतदाताओं के पास हिसाब-किताब का मौका आता है, तब हमारा राजनीतिक वर्ग उन्हें जमीनी मुद्दों से दूर करने में कामयाब हो जाता है और अक्सर भावनात्मक, धार्मिक मसले निर्णायक भूमिका अख्तियार कर लेते हैं! पिछले एक दशक से जो पार्टी सूबे की तरक्की और खुशहाली के वादे पर राज कर रही है, उसके शासन की खामियों व कमियों को निर्णायक मुद्दा न बना पाना न सिर्फ विपक्ष, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र की विफलता है। चुनाव गंभीर विमर्श की जगह यदि आज 'खेला' बन रहे हैं, तो इसके लिए राजनीतिक-व्यवस्था के सभी पक्ष जिम्मेदार हैं। क्या चुनाव सिर्फ सत्ता का खेल है? नहीं! ये बेहतर कल के सपनों-इरादों की बुनियाद हैं और इनकी शुचिता व गंभीरता को हास्यास्पद नारों, जुमलों और प्रलोभनों की भेंट नहीं चढ़ने दिया जा सकता। नंदीग्राम का चुनाव धार्मिक ध्रुवीकरण के बजाय यदि जमीनी मुद्दों पर कोई परिणाम गढ़ता है, तो यह भारतीय लोकतंत्र के लिए कहीं अधिक आश्वस्तकारी होगा। फिर 'खेला हौबे' जैसे नारों की जरूरत भी नहीं पड़ेगी।

आज के ट्वीट

नमन

देश की प्रथम महिला शिक्षिका सावित्रीबाई फुले की पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन। महिलाओं के सशक्तिकरण और सामाजिक चेतना में उनके उल्लेखनीय योगदानों से भारतवर्ष हमेशा उनका ऋणी रहेगा।

-- पी पी चोधरी

अमंगल हारी हैं देवाधिदेव भगवान शिव

महाशिवरात्रि विशेष/ योगेश कुमार गोयल

भारत में सर्वाधिक महत्व जिस देव का है, वो देवाधिदेव भगवान शिव ही हैं, जो आज भी समूचे भारतवर्ष में उतने ही पूजनीय और वंदनीय हैं, जितने सदियों पहले। इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि देशभर में जितने मंदिर या तीर्थस्थान भगवान शिव के हैं, उतने अन्य किसी देवी-देवता के नहीं। आज भी समूचे देश में भगवान शिव की पूजा-उपासना व्यापक स्तर पर होती है। यही कारण है कि 'महाशिवरात्रि' पर्व को भारत में राष्ट्रीय पर्व का दर्जा प्राप्त है। भगवान शिव को 'कालों का काल' और 'देवों का देव' अर्थात् 'महादेव' कहा गया है। देव-दानव, मानव-प्रेत, भगवान शिव सभी के आराध्य देव हैं। 'भोले बाबा' के रूप में सर्वत्र पूजनीय भगवान शिव को समस्त देवों में अग्रणीय और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वह अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न हो जाते हैं तथा उनकी मनोकामना पूर्ण करते हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। एक होते हुए भी शिव के नटराज, पशुपति, हरिहर, त्रिमूर्ति, मृत्युंजय, अर्द्धनारीश्वर, महाकाल, भोलेनाथ, विश्वनाथ, ओंकार, शिवलिंग, बटुक, क्षेत्रपाल, शरभ इत्यादि अनेक रूप हैं। 'महाशिवरात्रि' पर्व फाल्गुन मास की कृष्ण त्रयोदशी को मनाया जाता है। यह व्रत सृष्टि के समस्त प्राणियों के लिए अत्यंत कल्याणकारी माना गया है। शिवरात्रि देवों के देव महादेव अर्थात् भगवान शिव के जन्म का स्मरणोत्सव है। इस अवसर पर शिवभक्त उपवास तथा रात्रि जागरण करते हैं ताकि उनकी पूजा-अर्चना, उपासना एवं त्याग से भगवान शिव की कृपादृष्टि उन पर सदैव बनी रहे। माना जाता है कि इसी दिन रात्रि के मध्य में जगतपिता ब्रह्मा से रूद्र के रूप में भगवान शिव का अवतरण हुआ था। यह भी कहा जाता है कि इसी दिन प्रलय की वेला में प्रदोष के समय भगवान शिव ने तांडव करते हुए समस्त ब्रह्माण्ड को अपने तीसरे नेत्र की ज्वाला से समाप्त किया था। इसीलिए इस अवसर को 'कालरात्रि' अथवा 'महाशिवरात्रि' कहा जाता है। प्रश्न यह है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरुषों के जन्मदिन को उनकी 'जयंती' के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी 'जयंती' के बजाय 'रात्रि' के रूप में क्यों मनाया जाता है? इसका कारण संभवतः यही है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कलियुग में क्या संत, क्या साधक, क्या एक आम मानव, अर्थात् हर कोई दुखी है, अतः कालिमा रूपी इन बुराइयों का नाश करने के लिए प्रतिवर्ष चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है और यही रात्रि 'शिवरात्रि' है। 'शिव' और 'रात्रि' का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है, ''जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करुणासागर भगवान शिव हैं। जो भगवान नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। महासमुद्र रूपी शिव ही एक अखंड परम तत्व हैं, इन्हीं की अनेक विभूतियां अनेक नामों से पूजी जाती हैं, यही सर्वव्यापक और सर्वशक्तिमान हैं, यही व्यक्त-अव्यक्त रूप से 'सगुण ईश्वर' और 'निर्गुण ब्रह्म' कहे जाते हैं तथा यही परमात्मा, जगत आत्मा, शम्भव, मयोभव, शंकर, मयस्कर, शिव, रूद्र आदि कई नामों से संबोधित किए जाते हैं।'' 'रात्रि' शब्द 'रा' दानार्थक धातु से बना है अर्थात् जो सुखादि प्रदान करती है, वह 'रात्रि' है। रात्रि सदा आनन्ददायिनी होती है, अतः सबकी आश्रयदात्री होने के कारण उसकी स्तुति की गई है। इस प्रकार शिवरात्रि का अर्थ है, ''वह रात्रि, जो आनन्द देने वाली है, जिसका शिव नाम के साथ विशेष संबंध है।'' ऐसी रात्रि माघ फाल्गुन कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी की है, जिसमें शिव पूजा, उपवास व जागरण होता है। इसीलिए इस रात्रि को शिवपूजा करना एक महाव्रत माना गया है और इसीलिए इसका नाम 'महाशिवरात्रि' पड़ा। धार्मिक ग्रंथों में भगवान शिव के बारे में यही उल्लेख मिलता है कि तीनों लोकों की अपार सुन्दरी और शीलवती गौरी को अर्धांगिनी बनाने वाले शिव प्रेतों और भूत-पिशाचों से घिरे रहते हैं। उनका शरीर भस्म से लिपटा रहता है, गले में सर्पों का हार शोभायमान रहता है, कंठ में विष है, जटाओं में जगत तारिणी गंगा मैया हैं और माथे में प्रलयंकर ज्वाला है। बैल (नंदी) को भगवान शिव का वाहन माना गया है और ऐसी मान्यता है कि स्वयं अमंगल रूप होने पर भी भगवान शिव अपने भक्तों को मंगल, श्री और सुख-समृद्धि प्रदान करते हैं। कहा जाता है कि भगवान विष्णु ने भी भगवान शिव की अनुकम्पा प्राप्त करने के लिए उन्हें अपनी एक आंख समर्पित कर दी थी। इस बारे में कहा गया है कि भगवान विष्णु जब शिव को प्रसन्न करने के लिए 1008 कमल के फूलों से उनका अभिषेक कर रहे थे, तब आखिर में एक कमल कम रह गया। इसपर भगवान विष्णु ने तुरंत कटार से अपनी एक आंख निकाली और कम रहे कमल के स्थान पर भगवान शिव को अर्पित कर दी। इससे शिव विष्णु पर इतने प्रसन्न हुए कि उन्होंने भगवान विष्णु को अपना दिव्य मंत्र प्रदान कर दिया-

त्रयम्बकं यजामहे
सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम।
उर्वारूकमिव बन्धनात।
मृत्योर्मुक्षीय मामृतात।।

भगवान शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है। इसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

ज्ञान गंगा

स्थिरता

जग्गी वासुदेव

एक स्तर पर आध्यात्मिक प्रक्रिया का मतलब होता है पर्वत की तरह स्थिर हो जाना है। जब किसी इंसान का आधार बहुत स्थिर होता है, केवल तभी वह बहुत सारी चीजें कर सकता है। जीवन में आनंद तभी बिखर सकता है, जब उसमें पूर्ण स्थिरता हो। नहीं तो बहुत ज्यादा खुशी इंसान को पागलपन की ओर ले जा सकती है। इसीलिए बहुत सारे लोग, जो थोड़े रचनात्मक, थोड़े सक्रिय और उल्लासमय होते हैं, वे आखिर में जाकर असामान्य और लगभग पागल से हो जाते हैं। दरअसल, स्थिरता के बिना आप डांस नहीं कर सकते। यही वजह है कि एक ही समय में शिव का मतलब स्थिरता और शिव का मतलब, नृत्य दोनों है। एक ऐसा विस्फोट, जो विध्वंसक न हो, केवल तभी संभव है जब स्थिरता हो। लोग अपने जीवन को काबू करके, उसमें कमी करके या काट-छांट करके उसे स्थिर करना चाहते हैं। यह आपकी दादी-नानी का तरीका है, जो आपसे हमेशा कहती होंगी, 'अपने को काबू करो, तभी तुममें स्थिरता आएगी'। बेशक, अगर आप मर जाएं तो आप स्थिर होंगे। मैं यकीन से यह बात कह सकता हूं। तो आम तौर पर जो लोग स्थिरता की बात करते हैं, उनका अस्तित्व घुटा हुआ है। एक तरह से वे कब्जियत वाला जीवन जी रहे हैं। क्या आप जानते हैं कि कब्ज क्या चीज होती है, इसका मतलब है कि यह थोड़ी-थोड़ी हो रही है। इसी तरह लोगों के जीवन में खुशी, प्यार, परमानंद, यहां वहां से थोड़ा-थोड़ा मिलता है। स्थिरता यह नहीं है-कि आपने अपने जीवन को इतना सीमित कर लिया है, संकुचित कर लिया है कि आप स्थिर हो गए हैं। ऐसी स्थिरता से कुछ हासिल होने वाला नहीं। स्थिरता वह है, जहां आप सब कुछ पूरी स्पष्टता के साथ देख सकें। इसीलिए आदि योगी का जिक्र होता है, क्योंकि हम लोग स्थिरता के साथ-साथ उल्लास से भरे नृत्य की बात भी करते हैं। यह इसलिए संभव हो पाया, क्योंकि उनके पास दो से ज्यादा आंखें थीं, तीन तो नहीं, लेकिन दो से ज्यादा आंखें जरूर थीं। इसका मतलब यह हुआ कि वह आम लोगों से कहीं ज्यादा देख सकते थे। अगर आप चीजों का एक ही हिस्सा देखेंगे तो आप स्थिर नहीं हो सकते। तो सारी कोशिश बेहतर देखने की है। दर्शन का मतलब देखना होता है। यह पूरी संस्कृति इसी के बारे में बात करती आई है।

किडनी समस्या पर हो विमर्श

विश्व किडनी दिवस विशेष - डा. रमेश ठाकुर

किडनी से संबंधित बढ़ती समस्या चिंता का विषय है। भले-चंगे इंसान की किडनी फेल होने की बात अचानक चिकित्सीय जांच में सामने आना अब आम बात हो गई है। कई ऐसे उदाहरण हैं, जब थोड़ी-सी तबियत खराब होने पर मरीज अस्तपाल गए हों और एकाध घंटे की चिकित्सीय जांच के बाद उन्हें यह बताया गया हो कि उनकी किडनी फेल हो गई है। कारण भी ऐसा, जिस पर एकाएक विश्वास नहीं होता। दूषित पानी पीना, दर्द की गोली खाना, ठंडा-कोला का सेवन आदि। ये मौजूदा ऐसे मौलिक कारण हैं जिससे हमें सावधान रहना होगा। क्योंकि किडनी शरीर का अति महत्वपूर्ण पार्ट है। बिना उसके शरीर काम नहीं कर सकता। इसलिए इसके बचाव के सभी जरूरी सावधानियों को बरतना होगा। विश्व किडनी दिवस को एक वैश्विक स्वास्थ्य जागरुकता अभियान से जोड़ा गया है। इस दिवस को मनाने के कई कारण हैं। साल 2006 में इस दिवस की घोषणा किडनी के बचाव व उसके महत्व पर केंद्रित और दुनिया भर में किडनी रोग और इससे जुड़े स्वास्थ्य की आवृत्ति-प्रभाव को कम करने के प्रति जागरुकता फैलाने के मकसद से हुई थी। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ किडनी फाउंडेशन की रिपोर्ट पर गौर करें तो प्रत्येक 12वां व्यक्ति कहीं न कहीं गुर्दे की बीमारी से ग्रस्त है। गुर्दे में संक्रमण इतनी तेजी से फैल रहा है जिसे चिकित्सा विज्ञान भी रोकने में असफल है। असफल इसलिए है क्योंकि इसका बचाव खुद मरीज को ही करना होता है। मुख्यतः किडनी इंफेक्शन से प्रभावित होती है। एक जमाना था, जब किडनी खराब होने का एक ही कारण बताया जाता था, अत्यधिक शराब का सेवन। लेकिन शराब से कहीं ज्यादा किडनी अब दूसरे कारणों से खराब हो रही हैं। किडनी में पथरी का होना आम बात हो गई है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ किडनी फाउंडेशन ने कुछ ऐसे राज्यों को चिन्हित किया है जहां किडनी के मरीज सबसे ज्यादा हैं और चिंता का विषय भी। झारखंड, बिहार, मध्य प्रदेश, उत्तरी महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात व राजस्थान को सबसे ज्यादा प्रभावित बताया है। रिपोर्ट ने वहां के लोगों का दूषित पानी पीना, गर्मी की अधिकता से किडनी में इन्फेक्शन को मौजूदा समय का मुख्य कारण बताया है। किडनी की बीमारी कोई उम्रदराज लोगों में ही नहीं फैल रही, बल्कि छोटे-छोटे बच्चों में भी ये समस्या आम हो गई है। किडनी को बचाना और सुरक्षित रखना स्वयं के हाथों में है। लेकिन आज भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अपनी सेहत के प्रति इतने लापरवाह हो गए हैं कि संभावित खतरों से भी अज्ञान रहते हैं। ग्रस्त होने पर किस्मत को दोष देने लगते हैं। जबकि, किस्मत की भूमिका मात्र मिथ्या है। देखा जाए जो भारतीय लोग अन्य मुल्कों के मुकाबले सहनशीलता और बीमारी में अंतर किए बगैर जीते हैं जिसका परिणाम यह होता है कि शरीर सामान्य रूप से स्वस्थ नहीं रह पाता। जबकि, दूसरे मुल्कों में लोग सावधानियां हमसे ज्यादा बरतते हैं। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ किडनी फाउंडेशन के अधीन 66 देश हैं जिसमें सबसे ज्यादा किडनी से प्रभावित एशियाई देश हैं। श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और भूटान की स्थिति तो हिंदुस्तान से भी ज्यादा खराब है। वहीं, पहाड़ी मुल्क नेपाल के हालात फिर भी संतोषजनक हैं। रिपोर्ट के मुताबिक जो पहाड़ी क्षेत्रों का पानी पीते हैं उनकी किडनी एकाएक खराब नहीं होती। वह कच्चा पानी होता है जो किडनी और शरीर के दूसरे अंगों पर बुरा प्रभाव नहीं डालता। प्यूरिफायर यानी आरओ पानी को किडनी का दुश्मन बताया गया है क्योंकि आरओ पानी में मिनरल्स खत्म हो जाते हैं। प्यूरीफायर पानी के लगातार सेवन से हृदय संबंधी बीमारियां, थकान, मानसिक कमजोरी और मांसपेशियों में ऐठन या सिरदर्द जैसे भी कई रोग हो रहे हैं। अब मजबूरी ये है कि दिल्ली जैसे बड़े शहरों में प्यूरिफायर पानी पीना मजबूरी भी है। क्योंकि महानगरों में जमीन का ताजा पानी नसीब नहीं होता है। ट्यूबवेल आदि पर प्रतिबंध है। नगर निगम का पानी काफी हद तक सुरक्षित है, लेकिन वह समय से और जरूरत के मुताबिक मुहैया नहीं हो पाता। बात 2009 की है जब नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने प्यूरीफायर पानी पर रोक के आदेश दिए थे। तब केंद्र सरकार ने इसपर पॉलिसी बनाने को हामी भी भरी थी। लेकिन बात ज्यादा आगे नहीं बढ़ी। ठंडे बस्ते में चली गई। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल ने सरकार को चेताते हुए कहा कि पीने के पानी में टीडीएस की मात्रा 500 मिलीग्राम से कम होने पर आरओ पर बैन लगाना चाहिए। यानी जिन जगहों में ये मात्रा मानक से कम है, वहां के लोग आरओ का इस्तेमाल ना करें। लेकिन आज बोतलबंद पानी के क्षेत्र में बड़ी-बड़ी कंपनियां सालाना करोड़ों-अरबों का व्यापार करती हैं। इस कारण नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की बात आई-गई हो गई। हालांकि साल 2020 में केंद्र सरकार ने पानी को लेकर पर्यावरण मंत्रालय को नए सिरे से मसौदा बनाने को कहा है। पानी की पॉलिसी में बदलाव करने का भी फरमान सुनाया है। बहरहाल, किडनी के बढ़ते मामलों को देखते हुए जिम्मेदारी हुकूमत के कंधों पर है। किडनी फेल होने के कारणों पर गंभीरता से विचार कर उनका समाधान निकालना ही होगा। इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ किडनी डिसीजेस और इंटरनेशनल सोसायटी ऑफ नेफ्रोलॉजी प्रत्येक वर्ष इसलिए किडनी दिवस मनाती हैं ताकि किडनी के प्रति लोगों में जागरुकता फैलाई जाए जिससे लगातार बढ़ रही किडनी डिसीज को रोका जाए। वैसे, किडनी निष्क्रिय होने के और भी कई कारण हैं लेकिन मूल कारण जो हम भारतीयों में है, वह हमारी लापरवाही या उपचार की व्यापक व्यवस्था को नहीं अपनाना होता है। वर्तमान में उपचार की तो व्यापक व्यवस्था दुरुस्त है। लेकिन हमारी लापरवाही अभी भी कम नहीं हो रहीं। गुर्दे में पथरी होना, गुर्दे का कैंसर और गुर्दे का निष्क्रिय होना है। इन तीनों परिस्थितियों में समय रहते अगर उपचार करा लिया जाए तो किडनी सुरक्षित किया जा सकता है। किडनी को सहजने के लिए हमें अपने स्वास्थ्य के प्रति सचेत होना होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

Bitcoin ने एक बार फिर लगाई छलांग, 55000 डॉलर का आंकड़ा किया पार

बिजनेस डेस्क: दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटक्काइन (Bitcoin) की कीमतों में एक बार फिर इजाफा देखने को मिल रहा है। बुधवार को बिटक्काइन 2.8 फीसदी की बढ़ोत्तरी के साथ 55000 डॉलर का आंकड़ा पार कर गया। हांगकांग में आज सुबह 9 बजकर 23 मिनट पर यह 55,600 डॉलर पर ट्रेड कर रहा था। बता दें कि एक महीने पहले इसका भाव करीब 60 हजार डॉलर के पास पहुंच गया था। यू.एस. के शेयरों में मंगलवार को उछाल आने के बाद ब्लूमबर्ग गैलेक्सी क्रिप्टो इंडेक्स पिछले दो सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंच गया। पेप्परस्टोन ग्रुप लिमिटेड के रिसर्च हेड क्रिस वेस्टन ने एक नोट में कहा कि ये आश्चर्यजनक नहीं होगा अगर इसकी कीमत पिछले महीने का आकंडा पार कर जाए। बिटकॉइन में बढ़ती संस्थागत रुचि और संभावना है कि अमेरिकी प्रोत्साहन चेक के चलते फाइनेशियल मार्केट में सुधार से क्रिप्टोकरेंसी में बढ़ोत्तरी हो रही है। डिजिटल टोकन पिछले साल लगभग 600 प्रतिशत का उछाल देखा गया था।

कई कंपनियों ने किया निवेश

इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली अमेरिकी कंपनी टेस्ला समेत कई कंपनियों ने बिटक्वाइन को डिजिटल करेंसी के तौर पर मंजूरी दी तो इसके दाम हर दिन बढ़त का नया रिकॉर्ड बनाने लगे थे। इसके बाद जब इसके दाम बहुत ज्यादा बढ़ गए तो टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क ने रोज तेजी से बढ़ती कीमतों पर सवाल उठाया। इसके बाद इसके भाव गिरने शुरू हो गए थे। अब आज इसने फिर 50 हजार डॉलर के आंकड़े को पार कर लिया है।

Flipkart अपने कर्मचारियों के COVID वैक्सीनेशन का उठाएगी खर्च

बिजनेस डेस्क: ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकॉर्ट ने अपने और मिंत्रा के कर्मचरियों और उनके तीन आश्रितों के कोविड-19 वैक्सीनेशन का खर्च उठाने का फैसला किया है। कर्मचारियों को भेजे संदेश में फ्लिपकार्ट ने कहा कि उसे उम्मीद है कि अगले चरण के टीकाकरण अभियान में सभी नागरिक आएंगे। इससे पहले, देश में कोविड वैक्सीनेशन शुरू होने के साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंफोसिस, एसेंचर समेत कई कंपनियां अपने कर्मचारियों और उनके परिवार का वैक्सीनेशन खर्च उठाने का ऐलान कर चुकी हैं। फ्लिपकॉर्ट ने कहा, ''अभी हमें अगले चरण के लिए सरकार के फैसले का इंतजार है लेकिन हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि फ्लिपकार्ट समूह ने फ्लिपकार्ट और मिंत्रा सभी कर्मचारियों व उनके तीन आश्रितों के वैक्सीनेशन का पूरा खर्च उठाने का फैसला किया है। कर्मचारी या तो वैक्सीन लगवाने के बाद कंपनी से इसका पैसा ले सकते हैं या किसी भागीदार अस्पताल में मुफ्त में वैक्सीनेशन करा सकते हैं।'' वैक्सीनेशन प्रक्रिया पूरी होने के बाद कर्मचारी एक दिन की छुट्टी का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा, वैक्सीनेशन के बाद किसी भी तरह के लक्षण दिखाई देने पर स्पेशल कोविड केयर अवकाश लेने की अनुमति दी जाएगी। कंपनी का कहना है कि महामारी से निपटने और इसके प्रभाव को कम करने क लिए फिलहाल वैक्सीनेशन एक प्रभावी उपाय है।

RIL, Infosys कर चुकी हैं ऐलान

बीते इससे पहले, सोमवार को माइंडट्री और सिफी टेक्नोलॉजीज ने भी अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों के कोविड वैक्सीनेशन का खर्च उठाने का ऐलान किया है। इससे पहले, इंफोसिस, एक्सेंचर, कैपजेमिनी, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीवीएस मोटर कंपनी और रिन्यू पावर ने भी अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के लोगों को अपने खर्च पर वैक्सीन लगवाने की घोषाणा की है। इंफोसिस के को-फाउंडर एनआर नारायणमूर्ति और क्रिस गोपालकृष्णन और कोटक महिंद्रा बैंक के एमडी और सीईओ उदय कोटक उन बिजनस लीडर्स में हैं जिन्हें यह टीका लगाया जा चुका है।

शेयर बाजारों में लगातार तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 254 अंक चढ़ा

मुंबई,

शेयर बाजारों में बुधवार को लगातार तीसरे दिन तेजी रही और बीएसई सेंसेक्स तथा एनएसई निफ्टी दोनों सूचकांक बढ़त के साथ बंद हुए। वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के बीच दवा, आईटी और वाहन कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार में मजबूती आयी। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 254.03 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51,279.51 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 76.40 अंक यानी 0.51 प्रतिशत मजबूत होकर 15,174.80 अंक पर बंद हुआ। पिछले तीन दिनों में कुल मिलाकर सेंसेक्स में 874.19 अंक यानी 1.73 प्रतिशत की तेजी आ चुकी है जबकि निफ्टी 276.70 यानी 1.85 प्रतिशत मजबूत हुआ है। सेंसेक्स के शेयरों में सर्वाधिक लाभ में बजाज फाइनेंस रही। इसमें 2.34 प्रतिशत की तेजी आयी। इसके अलावा सन फार्मा, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, बजाज ऑटो और इन्फोसिस में भी बढ़त रही। दूसरी तरफ, जिन शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें ओएनजीसी, कोटक बैंक, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक, पावरग्रिड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और मारुति शामिल हैं। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 23 लाभ में रहे। खंडवार सूचकांकों में बीएसई धातु, आईटी, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, बुनियादी सामान और उपभोक्ता टिकाऊ सूचकांक 1.82 प्रतिशत तक मजबूत हुए। बिक्री बढ़ने से वाहन सूचकांक भी 0.82 प्रतिशत मजबूत हुए। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम (सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैनुफैक्चरर्स) के आंकड़े के अनुसार फरवरी में यात्री वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 17.92 प्रतिशत बढ़कर 2,81,380 वाहन रही। जिन खंडवार सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गयी, उनमें तेल एवं गैस, ऊर्जा तथा बिजली शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक बाजारों में सकारात्मक रुख का असर घरेलू बाजारों पर पड़ा है। बांड पर रिटर्न नरम होने से मुद्रास्फीति बढ़ने को लेकर चिंता दूर हुई है, इससे अमेरिकी बाजार में तेजी आयी, जिसका असर दुनिया भर के बाजारों पर पड़ा है।'' एशिया में शंघाई बाजार का कंपोजिट इंडेक्स और दक्षिण कोरिया का कोस्पी नुकसान में रहे जबकि हांगकांग और तोक्यो शेयर बाजार में तेजी रही। भारतीय समयानुसार दोपहर बाद खुले यूरोप के प्रमुख बाजारों में तेजी का रुझान था। इस बीच, वैश्विक कच्चा तेल बाजार में ब्रेंट क्रूड 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 67.12 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

हिताची एबीबी पावर ग्रिड को भारतीय रेल से ट्रांसफार्मर आपूर्ति के लिये 160 करोड़ का आर्डर मिला

नयी दिल्ली,

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी हिताची एबीबी पॉवर ग्रिड्स को भारतीय रेलवे से ट्रांसफार्मर की आपूर्ति के लिये 160 करोड़ रुपये का आर्डर हासिल हुआ है। कंपनी ने एक बयान में कहा है, ''हिताची एबीबी पावर ग्रिड्स ने भारत में भारत सरकार के इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव मैन्युफैक्चर्र, चित्तरंजन लोकोमोटिव वर्क्स (सीएलडब्ल्यू) और सेंट्रल आर्गनाइजेशन फार रेल इलेक्ट्रिफिकेशन (सीओआरई) से भारतीय रेलवे के लिये पावर इलेक्ट्रिक फ्रेट लोकोमोटिव्ज के लिये 160 करोड़ रुपये का आर्डर प्राप्त हुआ है। सीएलडब्ल्यू के वक्तव्य के मुताबिक हिताची एबीबी पावर ग्रिड्स भारतीय रेल की सबसे ज्यादा सफल लोकोमोटिव श्रेणी के डब्ल्यएजी-9 के लिये ट्रैक्सन ट्रांसफार्मर उपलब्ध करायेगी। इन लोकोमोटिव को भारतीय रेल क्षेत्र में माल ढुलाई में वृद्धि को देखते हुये इन्हें विकसित किया गया।

मकानों की बिक्री में गिरावट 2020-21में 34% रहेगी, अगले वर्ष तेज सुधार की उम्मीद : इंडिया रेटिंग्स

नयी दिल्ली,

कोरोना महामारी के चलते चालू वित्त वर्ष 2020-21 में आवासीय इकाइयों की बिक्री में 34 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है। हालांकि निम्न तुलनात्मक आधार के हिसाब से अप्रैल से शुरू हो रहे वर्ष 2021-22 में मांग में करीब इसी तेजी से वृद्धि भी दिख सकती है। इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने यह अनुमान व्यक्त किया है। एजेंसी का अनुमान है कि रियल एस्टेट क्षेत्र अगले वित्त वर्ष में अंग्रेजी 'के' आकार की वापसी कर सकता है। इसका अर्थ है कि बाजार नरमी से पूरी तरह से तो नहीं उबर सकेगा पर चालू वित्त वर्ष में गिरावट के बाद वृद्धि दर के आंकड़े अच्छे दिखेंगे। एजेंसी ने एक बयान में कहा, ''वित्त वर्ष 2021 में सालाना आधार पर 34 प्रतिशत की गिरावट के बाद वित्त वर्ष 2022 में बिक्री में 30 फीसदी की वृद्धि दर्ज की जा सकती है।'' हालांकि एजेंसी ने इस बात पर जोर दिया कि वित्त वर्ष 2022 में समग्र बिक्री अभी भी वित्त वर्ष 2019-20 के स्तर से लगभग 14 प्रतिशत कम रह सकती है। वित्त वर्ष 2019-20 में भारत में कुल 32.6 करोड़ वर्गफीट आवासीय क्षेत्र की बिक्री हुई थी। एजेंसी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीने में सालाना आधार पर बिक्री में 41 फीसदी की गिरावट रही है। पूरे वित्त वर्ष में यह गिरावट 34 प्रतिशत रह सकती है।

छह राज्यों की शहरी झुग्गियों में रहने वालों में आधे ही करते हैं रसोई गैस का उपयोग: सर्वेक्षण

नयी दिल्ली,

उत्तर प्रदेश और बिहार सहित छह राज्यों में शहरी झोपड़ पट्टियों में रहने वाले लगभग 50 फीसदी परिवाह रसोईं ईंधन के रूप में केवल और रसोई गैस सिलेंडर (एलपीजी) का उपयोग करते हैं। एक सर्वेक्षण में यह जानकारी सामने आयी है। सर्वेक्षण में छत्तीसगढ़, झारखंड, मध्य प्रदेश और राजस्थान को भी शामिल किया गया है। सीईईडब्ल्यू की कूकिंग एनर्जी एक्सेस सर्वे 2020 रपट बुधवार को जारी की गयी। यह सर्वेक्षण छह राज्यों में शहरी झोपड़पट्टियों में किया गया। इसमें 58 जिलों में 83 अधिसूचित और गैर-अधिसूचित शहरी झोपड़पट्टियों में 656 घरों को शामिल किया गया। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वाटर (सीईईडब्ल्यू) द्वारा कराये गये इस सर्वेक्षण के अनुसार, ''छह भारतीय राज्यों में केवल आधे शहरी झोपड़पट्टी परिवारों में ही रसाईं ईंधन के रूप में केवल और केवल एलपीजी का उपयोग होता है। हालांकि इन राज्यों में शहरी मलिन बस्तियों में 86 प्रतिशत शहरी परिवारों के पास एलपीजी कनेक्शन है।'' देश शहरी झोपड़पट्टी आबादी में ये छह राज्य लगभग एक चौथाई हिस्सा रखते हैं। इसके अलावा, 16 प्रतिशत घरों में अभी भी

पारंपरिक ईंधन जैसे कि लकड़ी, कंडे, कृषि अवशेष, लकड़ी का कोयला और मिट्टी के तेल का उपयोग प्राथमिक ईंधन के रूप में किया जाता है । सीईईडब्ल्यू के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुणभ घोष ने कहा, ''प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के अगले चरण के तहत सरकार को शहरी मलिन बस्तियों में एलपीजी कनेक्शन के बिना गरीब परिवारों को लक्षित करना चाहिये। नीति निर्माताओं को तेल विपणन कंपनियों और वितरकों को कुटीर क्षेत्रों में एलपीजी रिफिल की होम डिलिवरी में सुधार करने के लिये भी कहना होगा।''

इस अध्ययन की मुख्य लेखक के रूप में सीईईडब्ल्यू की अनुसंधान विश्लेषक शैली झा ने कहा, ÷शहरी झुग्गी बस्ती का एक अच्छा-खासा हिस्सा एलपीजी का उपयोग करने के लिए संघर्ष कर रहा है। खासकर बढ़ती कीमतों और महामारी के प्रभाव के कारण। इसके अलावा, शहरी झुग्गियों में रहने वाले उज्ज्वला के लाभार्थियों की संख्या कम है, जिस वजह से शहरी झुग्गियों के ज्यादातर परिवार पीएम गरीब कल्याण योजना के तहत मुफ्त सिलेंडर के रूप में राहत सहायता पाने के हकदार नहीं हैं। हमारा सुझाव है कि प्रमुख सरकारी कार्यक्रमों जैसे नेशनल अर्बन लाइवलीहुड्स मिशन और आवास के लिये सोशल सर्विस आवंटनों का उपयोग साफ रसोई ईंधन के लिये भी करना चाहिए। इससे जरूरतमंदों तक साफ रसोई ईंधन पहुंचेगा और यह गरीब के लिये सेवा की सीमा में ही रहेगा।÷

चेक बाउंसः न्यायालय ने समिति बनाई, जल्द निपटारे के लिये उठाये कदमों पर मांगी रिपोर्ट

नयी दिल्ली,

उच्चतम न्यायालय ने चेक बाउंस के लंबित मामलों को शीघ्रता से निपटाने के तरीके सुझाने के लिये बंबई उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायधीश न्यामूर्ति आर सी चौहान की अध्यक्षता में एक समिति बनाई है।

समिति में विभिन्न सरकारी विभागों, भारतीय रिजर्व बैंक और बैंकों के फोरम आईबीए तथा कुछ अन्य संगठनों के प्रतिनिधि सदस्य के रूप में शामिल होंगे। सरकार को सदस्यों के नाम 12 मार्च तक देने को कहा गया है। समिति इस मामले में विभिन्न सुझावों पर विचार करेगी और तीन माह में रिपोर्ट देगी। मुख्य न्यायधीश एस.ए. बोवडे की अध्यक्षता वाली पांच न्यायधीश की पीठ को सोलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया कि केन्द्र सरकार चेक बाउंस के मामलों से निपटने के तौर-तरीके तय हो जाने के बाद ऐसे मामलों की सुनवाई के लिए अतिरिक्त अदालतें बनाने की आवश्यकता को ''सैद्धांतिक'' तौर पर स्वीकार कर लिया है। चेक बाउंस के 35 लाख से अधिक मामले अदालतों में लंबित हैं। शीर्ष अदालत ने पिछले सप्ताह भारी संख्या ऐसे मामलों के लंबित होने को ''विचित्र'' स्थिति बताया। न्यायालय ने केन्द्र सरकार को चेक बाउंस के लंबित मामलों के निनटान के लिए एक निश्चित समयावधि के लिये अतिरिक्त अदालतें बनाने का सुझाव दिया। न्यायालय ने कहा था कि संविधान के अनुच्छेद 247 के तहत संसद को अधिकार है कि वह केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आने वाले किसी मामले में अपने बनाए कानून या पहले से चले आ रहे किसी कानून के बेहतर प्रबंधन एवं प्रशासन के लिये कुछ अतिरिक्त अदालतों की स्थापना कर सकती है। अदालत ने कहा कि केंद्र चेक बाउंस मालों को परक्राम्य लिखत एक्ट 1881 के तहत निपटान के लिए अतिरिक्त आदालतें स्थापित कर सकता है। शीर्ष अदालत चेक बाउंस के बढ़ते मामलों को लेकर स्वतः संज्ञान वाले एक मामले पर सुनवाई कर रही है। न्यायालय ने ऐसे मामलों में जल्द न्याय के लिये कोई प्रणाली तैयार किये जाने पर गौर किया ताकि कानून के तहत दिये गये अधिकार को पूरा किया जा सके और ऐसे लंबित मामलों की संख्या कम की जा सके। मुख्य न्यायधीश एस ए बोवडे की अध्यक्षता वाली इस पीठ में न्यायमूति एल नागेश्वर राव, बी आर गवई, ए एस बोपन्ना और एस रविन्द्र भट भी शामिल हैं। पीठ ने कहा इस संबंध में उन्हें कई सुझाव प्राप्त हुये हैं। पीठ ने कहा, ''परक्राम्य लिखत अधिनियम (एनआई एक्ट) के बेहतर संचालन प्रशासन को लेकर अतिरिक्त अदालतों की स्थापना के बारे में दिये गये अदालत के सुझाव पर केन्द्र सरकार ने सकारात्मक रुख दिखाया है।'' पीठ ने कहा, ''ऐसे में हम समझते हैं कि एक समिति का गठन किया जाना उचित होगा जो कि जो कि दिये गये सुझावों पर विचार करेगी और एनआई कानून के तहत लंबित मामलों के त्वरित निपटारे के लिये उठाये जाने वाले कदमों के बारे में स्पष्ट सुझावों के साथ रिपोर्ट देगी।''

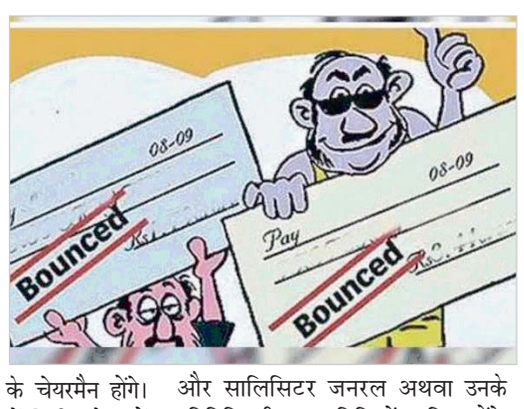

पीठ ने कहा कि बांबे उच्च न्यायलय के पूर्व न्यायधीश न्यामूर्ति आर सी चौहान इस समिति के चेयरमैन होंगे। समिति के अन्य सदस्यों में वित्तीय सेवाओं के विभाग, न्याय विभाग, कंपनी मामलों के विभाग, व्यय विभाग और गृह मंत्रालय के अधिकारी होंगे जो अतिरिक्त सचिव के पद से नीचे के नहीं होंगे। इसके अलावा इसमें भारतीय रिजर्व बैंक और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के चेयरमैन के नामित प्रतिनिधि भी होंगे। इसके साथ ही राष्ट्रीय विधि सेवा प्राधिकरण (एनएएलएसए) और सालिसिटर जनरल अथवा उनके प्रतिनिधि भी इस समिति में शामिल होंगे। पीठ ने कहा कि केन्द्र समिति को सचिवालय की सुविधा प्रदान करेगा। उसने कहा कि समिति को विभिन्न पर्टियों द्वारा दिये गये सुझावों को समिति को उपलब्ध कराया जायेगा। समिति इस मामले में विशेषज्ञों से भी विचार विमर्श कर सकेगी। पीठ ने मेहता से कहा कि वह 12 मार्च तक अन्य सदस्यों के नामों को सौंप दें।

महामारी के एक साल बाद विश्व को इससे बाहर निकलने की उम्मीद

वाशिंगटन:

कोरोना वायरस महामारी का प्रभाव पूरे विश्व पर पड़ा है और लगभग सभी देश इससे प्रभावित हुए लेकिन अब दुनिया इस महामारी से बाहर निकलने की ओर आगे बढ़ रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 11 मार्च, 2020 को कोरोना वायरस को महामारी घोषित किया था। इसके बाद लाखों लोगों की मौत हुई, अर्थव्यवस्थाएं प्रभावित हुई और सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया।

इस महामारी के एक साल बाद स्थिति सामान्य होने का सपना अब देखा जा रहा है और इसका श्रेय टीकों को भी जाता है। जॉन हॉपकिन्स विश्वविद्यालय के अनुसार, पिछले साल 11 मार्च को कोविड-19 के मामलों की संख्या 1,25,000 थी और मौत के मामलों की संख्या पांच हजार से कुछ कम थी। आज तक इससे संक्रमित होने वाले लोगों की संख्या 11.7 करोड़ हैं और 26 लाख लोगों की मौत हुई। पिछले साल 11 मार्च को जब इसे महामारी घोषित किया गया तो इटली ने 10,000 मामलों की सूचना के बाद दुकानों और रेस्तरां को बंद कर दिया था। उस शाम, उस समय अमेरिका के राष्ट्रपति रहे डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्र को संबोधित किया और यूरोप से यात्रा पर प्रतिबंध की घोषणा की।

सोवतो के क्रिस हानी बैरागवानाथ अस्पताल में 59 वर्षीय एक नर्स मैगी सेडीदी ने इस

महामारी से निपटने के लिए टीकाकरण को श्रेय दिया और उन्हें उम्मीद है कि एक या दो साल में जनजीवन सामान्य हो सकता है। दक्षिण अफ्रीका में 15 लाख से अधिक मामले सामने आये और 50 हजार से अधिक लोगों की मौत हुई। महामारी के कारण दुनिया के कई स्थानों पर लोगों को कठिन समय का सामना करना पड़ा। नेपाल में माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई करने पहुंचे विदेशी पर्वतारोहियों को अपने अभियानों को रोकना पड़ा। दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक मोजाम्बिक में, सरकार ने काम गंवाने वालों को तीन महीने के लिए राहत राशि देने का वादा किया। 46 वर्षीय ऐलिस नहारे कहती हैं, 'लेकिन ये पैसा कभी नहीं मिला। मेरी मां ने हस्ताक्षर किए थे लेकिन पैसा कभी नहीं आया।'

इरडा ने चोला एमएस जनरल इंश्योरेंस पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया

नयी दिल्ली,

बीमा नियामक इरडा ने मोटर बीमा सेवा प्रदाता (एमआईएसपी) से जुड़े दिशानिर्देशों के उल्लंघन को लेकर चोला एमएस जनरल इंश्योरेंस कंपनी लि. पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) ने एक से चार माई, 2018 के दौरान कंपनी के कामकाज का निरीक्षण किया था। जांच में पाया गया कि प्राधिकरण के एमआईएसपी को लेकर जारी अगस्त 2017 में जारी दिशानिर्देश का उल्लंघन किया गया। इरडा ने अपने आदेश में कहा कि इस संदर्भ में चोला एमएस को अक्टूबर 2020 में कारण बताओ नोटिस दिया गया। उसके बाद कंपनी के पक्ष को सुना गया। नियामक ने कहा कि बीमा कंपनी ने एमआईएसपी या अन्य संबंधित कंपनी को सीधे या परोक्ष रूप से किये जाने वाले भुगतान के संदर्भ में दिशानिर्देशों का उल्लंघन किया।

आदेश के अनुसार बीमा कंपनी ने विज्ञापन और पेशेवर शुल्क के रूप में एमआईएसपी, वाहन डीलर और मनोनीत व्यक्तियों को भुगतान किया। इरडा ने कहा,''जांच में पाया गया कि बीमा कंपनी ने अपने विज्ञापन को प्रदर्शित करने के लिये टीवीएस, ए एम मोटर्स, इंडस, ईआरएएम और निप्पन को दो नवंबर, 2017 से 31 दिसंबर, 2019 के दौरान पैसे दिये। यह एमआईएसपी दिशानिर्देशों का उल्लंघन था।'' नियामक ने आदेश में कहा, ''नियमों का उल्लंघन दो साल से अधिक समय तक किया गया। इसीलिए प्राधिकरण ने बीमा कानून, 1938 के तहत शक्तियों का उपयोग करते हुए एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया।'' हालांकि इरडा ने कहा कि यह दिशानिर्देश नवंबर 2017 में आया, अतः इससे पहले इन इकाइयों को किये गये भुगतान पर कोई आपत्ति नहीं है। एमआईएपी दिशानिर्देश के तहत प्राधिकरण ने एमआईएसपी के लिये अधिक वितरण शुल्क का निर्धारण किया है। इसमें साफ तौर पर कहा गया है कि न तो बीमा कंपनी एमआईएसपी को सीधे या परोक्ष रूप से विज्ञापन खर्च समेत अन्य भुगतान करेगी और न ही एमआईएसपी बीमा कंपनी से इस प्रकार की कोई राशि लेगा।

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज का आईजीएक्स में 31% हिस्सेदारी बेचने के लिए समझौता

नई दिल्ली:

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज (आईईएक्स) ने बुधवार को कहा कि उसने अपनी अनुषंगी इकाई इंडियन गैस एक्सचेंज (आईजीएक्स) में 31 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचने के लिए दो अलग-अलग शेयर खरीद समझौते किए हैं। इसके तहत आईईएक्स अनुषंगी इकाई आईजीएक्स में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी एनएसई इनवेस्टमेंट लि. और 5 प्रतिशत ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन को बेचेगी। बीएसई को दी गई सूचना के अनुसार, ''इंडियन एनर्जी एक्सचेंज लि. ने शेयर खरीद और शेयरधारक समझौते किए हैं। ये समझौते अपनी अनुषंगी आईजीएक्स में हिस्सेदारी बेचने के लिए है।'' एक समझौता आईईएक्स, आईजीएक्स और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज की पूर्ण अनुषंगी एनएसई इनवेस्टमेंट्स लि. के बीच हुआ है। इसके तहत 10-10 रुपए अंकित मूल्य के 1,92,07,500 इक्विटी शेयर बेचे जाएंगे। यह यौदा 19.20 करोड़ रुपए का है। यह आईजीएक्स की चुकता शेयर पूंजी का 26 प्रतिशत है। दूसरा समझौता आईईएक्स, आईजीएक्स और ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन लि. (ओएनजीसी) के बीच किया गया है। इसके तहत 10-10 रुपए अंकित मूल्य के 36,93,750 इक्विटी शेयर बेचे जाएंगे। यह सौदा 3.69 करोड़ रुपए का है। यह आईजीएक्स की चुकता शेयर पूंजी 73,87,50,000 के 5 प्रतिशत के बराबर है। सौदे शेयर खरीद और शेरधारक समझौते के क्रियान्वयन के 10 दिनों के भीतर पूरे होंगे।

BSNL-MTNL का विलय टला, रिवाइवल प्लान को मिली मंजूरीः रविशंकर प्रसाद

बिजनेस डेस्क:

घाटे में चल रहीं सरकारी टेलीकॉम कंपनियों एमटीएनएल और बीएसएनएल के रिवाइवल प्लान के मसौदे को अपनी मंजूरी दे दी है। हालांकि, सरकार पहले इन दोनों कंपनियों का आपस में विलय का प्लान था लेकिन बाद में इसे टाल दिया गया। केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संसद के बजट सत्र में आज सरकारी दूरसंचार कंपनियों की स्थिति पर एक सवाल के जवाब में कहा कि सरकार ने इन कंपनियों को खड़ा करने के लिए रिवाइवल प्लान तैयार किया है। सरकार ने दोनों कंपनियों में जान फूंकने के लिए रिवाइवल प्लान तैयार किया था। इस प्लान को कैबिनेट पहले ही अपनी मंजूरी दे चुका था। आज इसे संसद के बजट सत्र में पेश किया गया, जहां यह सर्वसम्मति से पास हो गया। रिवाइवल प्लान के तहत बीएसएनल और एमटीएनएल में कर्मचारियों के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति योजना (वीआरएस) पहले ही चलाई जा चुकी है। सरकार का प्लान है कि इन कंपनियों की संपत्तियों का मौद्रीकरण होना चाहिए। इसके अलावा सरकार इन कंपनियों में करीब 30,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। 15,000 करोड़ रुपए का सरकारी बांड जारी किए जाएंगे और कंपनियों की संपत्ति की या तो बिक्री की जाएगी या फिर उन्हें पट्टे पर दिया जाएगा।

कर्ज में डूबीं दोनों कंपनियां

टेलीकॉम क्रांति की दुनिया में जहां तमाम प्राइवेट कंपनियों के साम्राज्य का लगातार विस्तार हो रहा है, वहीं सरकारी टेलीकॉम कंपनियां महानगर टेलीफोन टेलीफोन निगम लिमिटेड और भारत संचार निगम लिमिटेड पर कर्ज का बोझ बढ़ता ही जा रहा है। बताया जा रहा है कि बीएसएनएल के ऊपर करीब 90,000 करोड़ रुपए और एमटीएनएल पर करीब 30,000 करोड़ रुपए की देनदारियां हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

रियो सांसदों ने मराकना स्टेडियम पेले के नाम पर करने के पक्ष में मतदान किया

रियो डी जेनेरो। रियो डी जेनेरो के सांसदों ने मराकना स्टेडियम का नाम ब्राजील के पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी पेले के नाम पर करने के पक्ष में मतदान किया। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, रियो डी जेनेरो राज्य विधान सभा ने बयान जारी कर बताया कि इस विधेयक को रियो के कार्यकारी गर्वनर क्लाउडिओ कास्त्रो के पास भेजा गया है जिनके पास इस पर हस्ताक्षर करने के लिए 15 दिन का समय है।असेंबली के अध्यक्ष आंद्रे केकिलियाओ ने कहा, जिस व्यक्ति ने दुनियाभर में ब्राजील फुटबॉल का नाम रोशन किया और देश को गौरव प्रदान किया उसे हम सम्मानित करना चाहते हैं। 80 वर्षीय पेले ऐसे एकमात्र खिलाड़ी हैं जिन्होंने तीन बार फीफा विश्व कप जीता है। वर्ष 2000 में उन्हें अर्जेंटीना के पूर्व खिलाड़ी डिएगो माराडोना के साथ 20वीं दशक का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवॉर्ड दिया गया था। मराकना स्टेडियम ने 1950 और 2014 विश्व कप मैचों की मेजबानी की थी।

रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज : द. अफ्रीका चाहेगी वापसी, इंग्लैंड की नजरें विजयी हैट्रिक पर

रायपुर।

अपने पिछले मैच में सीरीज की दावेदार इंडिया लेजेंड्स को हराने के बाद कप्तान केविन पीटरसन की अगुवाई वाली इंग्लैंड लेजेंड्स गुरुवार को यहां रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में होने वाली अनएकेडमी रोड सेफ्टी वर्ल्ड सीरीज टी20 के अपने तीसरे मैच में दक्षिण अफ्रीका लेजेंड्स को हराकर टूर्नामेंट में विजयी हैट्रिक लगाना चाहेगी।

लगातार दो जीत दर्ज करने के बाद इंग्लैंड को अब इंडिया के अलावा टूर्नामेंट की दूसरी दावेदारी टीम मानी जा रही है और उनके कप्तान पीटरसन भी बेहतरीन फॉर्म में हैं। इंडिया के खिलाफ 37 गेंदों पर ही छह चौके और पांच छक्कों की बदौलत 75 रन की विस्फोटक पारी खेलने वाले पीटरसन अपने उसी फॉर्म को जोंटी रोडस की अगुवाई वाले टीम के खिलाफ भी जारी रखना चाहेंगे।दो मैचों में ही 117 रन बना चुके पीटरसन टूर्नामेंट के टॉप पांच स्कोररों की लिस्ट में चौथे नंबर पहुंच गए हैं। उनसे आगे अब वीरेंद्र सहवाग (163), तिलकरत्ने दिलशान (138) और इरफान पठान (118) ही हैं। हालांकि इन बल्लेबाजों ने चार मैच खेले हैं, जबकि पीटरसन ने अब तक केवल दो ही मैच खेले हैं। पीटरसन की आक्रामक फॉर्म दक्षिण अफ्रीका के लिए एक बहुत बड़ा खतरा होगा, जो श्रीलंका लेजेंड्स के खिलाफ संघर्ष करती हुई दिखाई दी थी। इंग्लैंड की गेंदबाजी भी कमाल की रही है। हालांकि उनकी बल्लेबाजी पूरी तरह से पीटरसन के इर्द-गिर्द घूमती है। गेंदबाजी में लेफ्ट आर्म स्पिनर मोंटी पनेसर इस फॉर्मेट का आनंद ले रहे हैं। इंडिया लेजेंड्स के खिलाफ उन्होंने कप्तान सचिन तेंदुकर, मोहम्मद कैफ और युवराज सिंह के बहुमूल्य विकेट चटकाए थे। तालिका में भी इंग्लैंड की टीम दो मैचों में आठ अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। इंग्लैंड अब केवल इंडिया और श्रीलंका से ही पीछे है, जिनके 12-12 अंक हैं। दूसरी तरफ, दक्षिण अफ्रीका के लिए यह मैच काफी अहम होगा। टीम को अपने पिछले मैच में श्रीलंका लेजेंड्स के हाथों नौ विकेट से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था। जोंटी रोड्स की टीम केवल 89 रनों पर आलआउट हो गई थी और श्रीलंका ने इस स्कोर को केवल एक विकेट खोकर हासिल कर लिया था।हालांकि बीते बातों को भुलकर दक्षिण अफ्रीका इस मैच में वापसी करना चाहेगी ताकि वह खुद को सेमीफाइनल की दौड़ में बनाए रख सके। श्रीलंका के खिलाफ टीम की बल्लेबाजी पूरी तरह से विफल रही थी। भारतीय विकेट पर दक्षिण अफ्रीका की गेंदबाजी भी थोड़ा खराब रही है। कुल मिलाकर, दक्षिण अफ्रीका इस मैच में फिर से एक नई शुरुआत करके टूर्नामेंट में वापसी करना चाहेगी, तो वहीं इंग्लैंड जीत की लय जारी रखना चाहेगी।

भारत-इंग्लैंड के बीच पहले टी20 मैच के लिए बड़ी संख्या में पहुंच सकते हैं दर्शक

अहमदाबाद ।

भारत और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार को यहां मोटेरो के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने वाले पहले टी-20 मैच के लिए भारी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की उम्मीद है। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि पहले मैच के लिए 40,000 से अधिक टिकटों की पहले ही बिक्री हो चुकी है। एक लाख और 10 दर्शकों की क्षमता वाला यह स्टेडियम दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट स्टेडियम है। हाल ही में इस स्टेडियम में भारत और इंग्लैंड के बीच दो टेस्ट मैच भी हुए हैं। गुजरात क्रिकेट संघ (जीसीए) के एक अधिकारी ने कहा, हम बड़ी संख्या में दर्शकों के आने की उम्मीद कर रहे हैं, जोकि हम टेस्ट मैच में देख चुके हैं। अब हम हम 40,000 से अधिक टिकटें बेच चुके हैं। हमें उम्मीद है कि पहले टी20 मैच के लिए सीटें भरी होगी। टिकट ऑनलाइन और साथ ही मोटेरा में तथा सरदार पटेल स्टेडियम, नवरंगपुरा में आयोजन स्थल पर ऑफलाइन बेचे जा रहे हैं।

इस बीच, भारतीय टीम ने बुधवार को अभ्यास नहीं किया, क्योंकि उसने एक दिन की छुट्टी ली थी, जबकि इंग्लैंड की टीम ने ट्रेनिंग सेशन में भाग लिया। भारत और इंग्लैंड के बीच पहला टी-20 मैच शुक्रवार को खेला जाना है, जबकि बाकी के चार मैच 14, 16, 18 और 20 मार्च को इसी स्टेडियम में होना है। टी20 सीरीज के बाद दोनों टीमें तीन मैचों की वनडे सीरीज भी खेलेगी।

कतर ओपन में वापसी करते हुए इवान्स से भिड़ेंगे रोजर फेडरर

दोहा। दुनिया के पूर्व नंबर एक टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर 13 महीने बाद प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करते हुए कतर ओपन के दूसरे दौर में बुधवार को ब्रिटेन के डेनियल इवान्स से भिड़ेंगे। पिछले साल आस्ट्रेलिया ओपन में खेलने के बाद दाएं घुटने के दो आपरेशन कराने वाले फेडरर दोहा में तीन बार के चैंपियन हैं और यहां उनकी जीत हार का रिकॉर्ड 26-3 है। मंगलवार को 30 साल के इवान्स ने 18 में से 16 ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए फ्रांस के जेरेमी चार्डी को 6-4, 1-6, 6-2 से हराया। इवान्स ने इससे पहले 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन फेडरर के खिलाफ अपने तीनों मुकाबले गंवाए हैं। दक्षिण अफ्रीका के क्वालीफायर लॉयड हैरिस ने उलटफेर करते हुए सातवें वरीय स्टेन वावरिंका को 7-6, 6-7, 7-5 से हराया जबकि छठे वरीय डेविड गोफिन ने फिलिप क्राजिनोविच को 6-4, 6-4 से शिकस्त दी।

साउथम्पटन करेगा डबल्यूटीसी फाइनल की मेजबानी : आईसीसी

नई दिल्ली।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 18 से 22 जून तक होने वाला विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) का फाइनल मुकाबला साउथम्पटन के एजेस बॉल मैदान पर खेला जाएगा। अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। आईसीसी ने बताया कि उसने यह फैसला इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के साथ चर्चा के बाद लिया गया है, जहां कोरोना के कारण खिलाड़ियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर भी चर्चा की गई। इससे पहले, डब्ल्यूटीसी फाइनल मुकाबला लंदन के लॉर्डस मैदान पर होना था, लेकिन इसे अब इसे साउथम्पटन में कराया जाएगा। बताया जा रहा है कि सीमित संख्या में दर्शकों को फाइनल मुकाबला देखने की अनुमति दी जा सकती है।एजेस बॉल पहला स्टेडियम था, जिसने कोरोना वायरस के बीच बायो सिक्योर बबल में इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच जुलाई 2020 में हुई टेस्ट सीरीज की मेजबानी की थी। ईसीबी के सीईओ टॉम हैरिसन ने कहा, विश्व के पहले बायो सिक्योर स्थल होने के नाते कोरोना महामारी के बीच भी इस मैदान ने अंतर्राष्ट्रीय मैच आयोजित कराए थे। मुझे यकीन है कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला एक बेहतर मौका होगा। आईसीसी क्रिकेट महासचिव ग्योफ एल्ड्रिस ने कहा, हमें भरोसा है कि हैंपशायर बॉल को चयन करने से हम हरसंभव तरीके से फाइनल मैच का आयोजन कर पाएंगे। यहां सभी सुरक्षित वातावरण में खेलेंगे और यहां दर्शकों को विश्व की दो सर्वश्रेष्ठ टीम के बीच मुकाबला देखने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा, मैं ईसीबी को उनके मार्गदर्शन और सलाह के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा, जिससे हमें यह निर्णय लेने में मदद मिली और हमें एक सुरक्षित और सफल वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल आयोजित कराने का

अच्छा मौका मिला। भारत ने हाल ही में इंग्लैंड को चार मैचों की सीरीज में 3-1 से हराकर डब्ल्यूटीसी के फाइनल में जगह बनाई थी। न्यूजीलैंड पहले ही डब्ल्यूटीसी के फाइनल के लिए क्वालीफाई कर चुका था। दोनों टीमों के बीच 18 से 22 जून तक फाइनल मुकाबला खेला जाना है। इस मैच के लिए 23 जून को रिजर्व डे रखा गया है। यह मुकाबला ड्यूक्स ब्रैंड की गेंद से खेला जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

पैरालम्पिक खिलाड़ियों को भी सामान्य श्रेणी की तर्ज पर मिलेंगी नौकरियां : संदीप

चंडीगढ़ । हरियाणा के खेल एवं युवा मामले राज्यमंत्री सरदार संदीप सिंह ने कहा है कि राज्य सरकार पैरालम्पिक और पैरा एथलेटिक्स खिलाड़ियों को भी सामान्य श्रेणी की तरह प्रोत्साहन और नौकरियां देगी। संदीप सिंह ने राज्य विधानसभा के बजट सत्र के प्रश्नकाल के दौरान एक सवाल पर सदन को यह जानकारी देते हुए बताया कि ऐसे खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने एक बार फिर से खेल नीति में बदलाव किया है जिससे खिलाड़ियों को बहुत फायदा होगा। उन्होंने कहा कि सरकार की खेल नीति अब पैरालम्पिक और पैरा एथलेटिक्स के लिए समान रूप से लागू होगी और इन श्रेणी के खिलाड़ियों को वे सब सुविधाएं मिलेंगी जो सामान्य श्रेणी के खिलाड़ियों को मिलती हैं। उन्होंने कहा कि यह बदलाव पैरालम्पिक और पैरा एथलेटिक्स खिलाड़ियों के खेल नीति में सामान्य श्रेणी के समान लाभ देने की गत 24 फरवरी को की गई मांग को लेकर किया गया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों की इस मांग को तुरंत स्वीकार कर खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने का काम किया है। अब ओलम्पिक, एशियाई और राष्ट्रमंडल जैसी प्रतियोगिताओं में पदक जीतने पर इन खिलाड़ियों को सामान्य श्रेणी की तर्ज पर प्रथम श्रेणी की नौकरी प्रदान की जाएगी।

चैंपियंस लीग : सेविला को हराकर डॉर्टमंड क्वार्टर फाइनल में पहुंचा

बर्लिन. एर्लिंग हालैंड के शानदार दो गोलों की मदद से बोरूसिया डॉर्टमंड ने चैंपियंस लीग के राउंड-16 के दूसरे लेग में सेविला को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया और दोनों लेग के एग्रिगेट स्कोर (5-4) के साथ जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, डॉर्टमंड के लिए हालैंड ने 35वें मिनट में अपना पहला गोल किया। इसके बाद उन्होंने दूसरे हाफ में पेनाल्टी पर गोल करके डॉर्टमंड की बढ़त को 2-0 से आगे कर दिया। हालांकि, सेविला ने इसके बाद बेहतरीन वापसी की और एन नेसयरी के 68वें मिनट में पेनाल्टी पर और फिर इंजुरी टाइम में गोल करके स्कोर 2-2 की बराबरी पर ला दिया। 20-वर्षीय स्ट्राइकर हालैंड ने पहले लेग में भी शानदार दो गोल दागे थे। डॉर्टमंड की टीम 2016-17 के बाद पहली बार टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है।

खिलाड़ी इंग्लैंड के लिए खेलने से मना करें तो उनका वेतन काटा जाना चाहिए : बॉयकॉट

लंदन।

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान ज्योफी बॉयकॉट का कहना है कि अगर इंग्लैंड का कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय कर्तव्य निभाने की बजाए घर जाना चाहते हैं तो उनका वेतन काटा जाना चाहिए। बॉयकॉट ने कहा कि इंग्लैंड के खिलाड़ी कभी आईपीएल से ब्रेक नहीं लेते हैं तो उन्हें राष्ट्रीय टीम के लिए खेलने के वक्त भी इसकी इजाजत नहीं देनी चाहिए।बॉयकॉट की टिप्पणी ऐसे वक्त सामने आई है जब भारत के खिलाफ इंग्लैंड को मिली 1-3 की हार के बाद रोटेशन नीति की काफी आलोचना हो रही है। बॉयकॉट ने द डेली टेलिग्राफ में लिखा, इंग्लैंड हाल ही में भारत के साथ सीरीज में रोटेशन नीति पर उलझ गई। अगर खिलाड़ी खेलने के बजाय घर जाना चाहते हैं तो उनके वेतन में कटौती करें या फिर उन्हें तभी टीम में लें, जब वह इस बात पर मंजूरी दें कि वह पूरी सीरीज के लिए उपलब्ध रहेंगे।इंग्लैंड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड ने हाल ही में प्रेस वार्ता में कहा था कि खिलाड़ियों से आईपीएल में नहीं खेलने के लिए कहना कठिन होता है। बॉयकॉट का हालांकि कहना है कि खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम के लिए खेलना चाहिए, क्योंकि जब वह इंग्लैंड लिए अच्छा प्रदर्शन करेंगे तभी उन्हें आईपीएल टीमें लेंगी। बॉयकॉट ने कहा,

खिलाड़ियों को यह नहीं भूलना चाहिए कि उन्हें तभी आईपीएल टीमें खेलने बुलाती हैं, जब वह इंग्लैंड के लिए अच्छा प्रदर्शन करते हैं। इसलिए उन्हें देश के लिए कृतज्ञ होना चाहिए और राष्ट्रीय टीम को तरजीह देनी चाहिए। बॉयकॉट ने कहा, खिलाड़ी मानिसक स्वास्थ्य का हवाला देकर इंग्लैंड के बायो सिक्योर बबल से हट जाते हैं, लेकिन मैं दावे के साथ कह सकता हूं कि हमारा कोई खिलाड़ी पत्नी और बच्चों के लिए भी आईपीएल नहीं छोड़ेगा।

राष्ट्रीय सीनियर तैराकी चैंपियनशिप रद्द : एसएफआई

नई दिल्ली. भारतीय तैराकी महासंघ (एसएफआई) ने 24 मार्च से राजकोट में होने वाली आगामी राष्ट्रीय सीनियर तैराकी चैंपियनशिप को रद्द कर दिया है। एसएफआई के महासचिव मोनाल चोकशी ने बुधवार को कहा कि इस चैंपियनशिप के लिए कई राज्यों ने अपनी टीमें भेजने में असमर्थता जताई थी, इसलिए इस चैंपियनशिप को रद्द किया गया है। चोकशी ने आईएएनएस से कहा, ÷उत्तर भारत के साथ-साथ पूर्वोत्तर की राज्य इकाइयों ने भी शिकायत की है कि तैराकी की सुविधा अभी तक नहीं खोली गई है। इसलिए हमने राष्ट्रीय प्रतियोगिता रद्द करने का फैसला किया है।तीन दिवसीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन 24 से 27 मार्च तक होनी थी। दिल्ली के एक सीनियर कोच ने कहा, ÷कुछ राज्यों में बढ़ रहे कोविड-19 मामले राजकोट प्रतियोगिता के स्थगित होने का एक और कारण है। महाराष्ट्र के कुछ हिस्सों में रात का कर्फ्यू हैं, जबकि मध्य प्रदेश जैसे सीमावर्ती राज्य नए कोरोनवायरस मामलों के प्रसार से बचने के लिए एहतियाती उपाय कर रहे हैं। चोकशी के अनुसार, राजकोट राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2020 कैलेंडर का हिस्सा था जो पिछले साल महामारी के कारण आयोजित नहीं किया जा सका था।दिल्ली तैराकी संघ (डीएसए) उत्तर भारत के उन राज्यों में से एक है, जहां तैराकी प्रतियोगिता अभी तक ठीक से शुरू नहीं हुई है। डीएसए के सचिव राज कुमार ने कहा, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स, जिसमें आधुनिक सुविधाओं वाले मुख्य इनडोर पूल हैं, पिछले महीने खोले गए हैं। यह केवल राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की तैयारी कर रहे एलीट तैराकों के लिए सीमित है। कुमार ने कहा कि महामारी के कारण पिछले 14 महीनों से तैराकों ने प्रशिक्षण नहीं लिया है।

मैनचेस्टर युनाइटेड छोड़ना चाहते हैं ईपीएल के स्ट्राइकर एडिंसन कवानी

लंदन. इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) क्लब मैनचेस्टर युनाइटेड के स्ट्राइकर एडिंसन कवानी के पिता लुइस कवानी ने कहा है कि उनका बेटा मौजूदा क्लब में खुद को सहज महसूस नहीं कर हैं और वह क्लब को छोड़ना चाहते हैं। गोल डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, 34 साल के कवानी पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) को छोड़कर पिछले साल अक्टूबर में एक साल के करार पर मैनचेस्टर युनाइटेड से जुड़े थे। उन्होंने इस सीजन में 25 मैचों में सात गोल दागे हैं। लुइस ने टीवाईसी स्पोर्टस नेटवर्क से कहा, मेरा बेटा इंग्लैंड में खुश नहीं है और वह अपने परिवार के पास लौटना चाहते हैं। वह साउथ अमेरिका में खेलना चाहते हैं। वह उस टीम के लिए खेलना चाहते हैं, जो खिताब के लिए लड़ना चाहती है। उन्होंने बार्सिलोना के अध्यक्ष जुआन रोमन के साथ बातचीत की है और वह बार्सिलोना के लिए खेलना चाहते हैं। उन्होंने कहा, इस बात की 60 प्रतिशत संभावना है कि एडिंसन दक्षिण अमेरिका जाएंगे। हालांकि कवानी ने मंगलवार रात को ही अपने इंस्टाग्राम पर एक फोटो पोस्ट किया था, जिसमें उन्होंने कैप्शन देते हुए लिखा था, इस जर्सी को पहनना मेरे लिए गर्व की बात है।

ICC टेस्ट रैंकिंग में ऋषभ पंत ने बनाया रिकॉर्ड, ऐसा करने वाले बने पहले विकेटकीपर बल्लेबाज

दुबई ।

इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच में शतक जमाने वाले भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत बुधवार को यहां जारी आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में बल्लेबाजों की सूची में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर पहुंच गए हैं। पंत अहमदाबाद टेस्ट में 101 रन की मैच विजेता पारी खेलने के बाद सात पायदान आगे बढ़े हैं। उनकी शानदार पारी से भारत ने यह मैच पारी और 125 रन से जीतकर श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की। यह 23 वर्षीय खिलाड़ी बल्लेबाजी रैंकिंग में हमवतन रोहित शर्मा और न्यूजीलैंड के हेनरी निकोल्स के साथ सातवें स्थान पर है। रोहित एक स्थान आगे बढ़े हैं। भारत को आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वाले वाशिंगटन सुंदर ने 39 स्थान की लंबी छलांग लगायी है और वह 62वें स्थान पर पहुंच गए हैं लेकिन कप्तान विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा इस श्रृंखला में अनुकूल प्रदर्शन नहीं कर पाए। कोहली पांचवें स्थान पर बने हैं लेकिन उनके नवंबर 2017 के बाद सबसे कम रेटिंग अंक हो गए हैं। पुजारा 13वें स्थान पर खिसक गये हैं और सितंबर 2016 के बाद पहली बार उनके रेटिंग अंक 700 से नीचे चले गये हैं। इंग्लैंड के बल्लेबाजों में खौफ पैदा करने वाले भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन और अक्षर पटेल ने गेंदबाजों की रैंकिंग में महत्वपूर्ण सुधार किया है। श्रृंखला के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गये अश्विन न्यूजीलैंड के नील वैगनर को पीछे छोड़कर दूसरे स्थान पर पहुंच गये हैं। वह अगस्त 2017 के बाद पहली बार इस स्थान पर पहुंचे हैं। अश्विन आलराउंडरों की सूची में शाकिब अल हसन से ऊपर चौथे स्थान पर हैं। पटेल ने चौथे टेस्ट में

नौ विकेट लिये जिससे वह 552 अंकों के साथ आठ पायदान ऊपर 30वें स्थान पर पहुंच गये हैं। अपने पहले तीन टेस्ट के बाद केवल दो गेंदबाजों पूर्व भारतीय लेग स्पिनर नरेंद्र हिरवानी (564) और आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज चार्ली टर्नर (553) ने उनसे अधिक रेटिंग अंक हासिल किए थे। टर्नर 19वीं सदी में खेला करते थे। इंग्लैंड के डेन लॉरेन्स बल्लेबाजों की सूची में 47 पायदान ऊपर 93वें स्थान पर पहुंच गये हैं जबकि जेम्स एंडरसन गेंदबाजों की तालिका में दो पायदान आगे चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं।

चैंपियंस लीग : जुवेंतस को हराकर पोटरे क्वार्टर फाइनल में

लंदन. सर्जियो ओलिविएरा के 115वें मिनट (एक्स्ट्रा टाइम) में फ्री किक पर किए गए गोल की मदद से पुर्तगाल के क्लब पोटरे ने अवे गोल नियम के आधार पर जुवेंतस को हराकर चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार रात खेले गए चैंपियंस लीग के राउंड-16 के दूसरे लेग में जुवेंतस ने पोटरे को 3-2 से हरा दिया। लेकिन पहले लेग में पोटरे ने जुवेंतस को 1-2 से हराया था और इस कारण फाइनल स्कोर (एग्रीगेट स्कोर) 4-4 का रहा। लेकिन पोटरे के जुवेंतस से मैदान पर ज्यादा गोल थे और अवे गोल नियम के आधार पर पोटरे ने जीत हासिल करते हुए क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली। जुवेंतस के लिए दूसरे लेग में चिएसा ने 49वें और 63वें जबकि रेबियोट ने 117वें मिनट में गोल किए। वहीं, पोटरे के लिए ओलिविएरा ने 19वें मिनट में पेनाल्टी पर और फिर 115वें मिनट में भी गोल किए। मैच के 54वें मिनट में पोटरे के टेरेमी को रेड कार्ड दिखाया गया और इसके बाद उसे 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा। जुवेंतस की टीम लगातार दूसरे सीजन में नॉकआउट में जगह बनाने में विफल रही है। पोटरे 2003-04 के बाद से पहली बार चैंपियंस लीग के क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। टीम चैंपियंस लीग के नॉकआउट चरण में पिछले 14 अवे मैचों में जीत से दूर थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देहरादून, देहरादून जिले का मुख्यालय है जो भारत की राजधानी दिल्ली से 230 किलोमीटर दूर दून घाटी में बसा हुआ है। 9 नवंबर, 2000 को उत्तर प्रदेश राज्य को विभाजित कर जब उत्तराखण्ड राज्य का गठन किया गया था, उस समय इसे उत्तराखण्ड (तब उत्तरांचल) की अंतरिम राजधानी बनाया गया। देहरादून नगर पर्यटन, शिक्षा, स्थापत्य, संस्कृति और प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध है। इसका विस्तृत पौराणिक इतिहास है।

प्राकृतिक सौंदर्य के लिए प्रसिद्ध

देहरादून

इतिहास

देहरादून का इतिहास कई सौ वर्ष पुराना है। देहरादून से 56 किलोमीटर दूर कालसी के पास स्थित शिलालेख से इस पर तीसरी सदी ईसा पूर्व में सम्राट अशोक का अधिकार होने की सूचना मिलती है। देहरादून ने सदा से ही आक्रमणकारियों को आकर्षित किया है। खलीलुल्लाह खान के नेतृत्व में 1654 में इस पर मुगल सेना ने आक्रमण किया था। सिरमोर के राजा सुभाक प्रकाश की सहायता से खान गढ़वा के राजा पृथ्वी शाह को हराने में सफल रहे। गद्दी से अपदस्थ किए गए राजा को इस शर्त पर गद्दी पर आसीन किया गया कि वे नियमित रूप से मुगल बादशाह शाहजहाँ को कर चुकाया करेंगे। इसे 1772 में गुज्जरों ने लूटा था। तत्कालीन राजा ललत शाह जो पृथ्वी शाह के वंशज थे, की पुत्री की शादी गुलाब सिंह नामक गुज्जर से की गई थी। गुलाब सिंह के पुत्र का नियंत्रण देहरादून पर था और उनके वंशज इस समय भी नगर में मिल सकते हैं। गढ़वाल के राजा ललत शाह के पुत्र प्रदुमन शाह के शासन काल में रोहिल्ला नजीब के पोते गुलाम कादिर के नेतृत्व में अफगानों का आक्रमण हुआ। जिसमें उसने गुरू राम राय के अनुयायियों और शिष्यों को मौत के घाट उतार दिया। जिन लोगों ने हिन्दू धर्म त्यागने का निर्णय लिया, उन्हें छोड़ दिया गया। लेकिन अन्य लोगों के साथ बहुत निमर्मतापूर्वक व्यवहार किया गया। सहारनपुर के राज्यपाल और अफगान प्रमुख नजीबुदौल्ला भी देहरादून को अपने अधिकार में करने के उद्देश्य में सफल रहा उसके बाद देहरादून पर गुज्जरों, सिक्खों, राजपूतों और गोरखाओं के लगातार आक्रमण हुए और यह उपजाऊ और सुंदर भूमि शीघ्र ही बंजर स्थल में बदल गई। 1783 में एक सिक्ख प्रमुख बुघेल सिंह ने देहरादून पर आक्रमण किया और बिना किसी बड़े प्रतिरोध के सहजता से इस क्षेत्र को जीत लिया। 1786 में देहरादून पर गुलाम कादिर का आक्रमण हुआ। उसने पहले हरिद्वार को लूटा और फिर देहरादून पर कहर बरपाया। उसने नगर पर आक्रमण किया और उसे जमकर लूटा तथा बाद में देहरादून को बर्बाद कर दिया। 1801 तक अमर सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा ने दून घाटी पर आक्रमण किया और उस पर अधिकार कर लिया। 1814 में नालापानी के लिए अमर सिंह थापा के पोते बालभद्र सिंह थापा के नेत्वृत्व में गोरखा और जनरल जिलेस्पी के नेत्वृत्व में ब्रिटिश के बीच युद्ध हुआ। गोरखाओं ने इस लड़ाई में जमकर बराबरी कि और जनरल समेत कई ब्रिटिश सेनाओं को अपने प्राणों से हाथ धोना पड़ा। इस बीच गोरखाओं को एक असामान्य स्थिति का सामना करना पड़ा और उन्हें नालापानी के किले को छोड़ कर जाना पड़ा। 1815 तक गोरखाओं को हरा कर ब्रिटिश शासन ने इस पूरे क्षेत्र पर अपना अधिकार कर लिया। देहरादून के दो स्मारक प्रसिद्ध हैं। इनमें से एक कलंगा स्मारक का निर्माण ब्रिटिश जनरल गिलेस्पी और उसके अधिकारियों की स्मृति में कराया गया है। दूसरा स्मारक गिलेस्पी से लोहा लेनेवाले कैप्टन बलभद्र सिंह थापा और उनके गोरखा सिपाहियों की स्मृति में बनवाया गया है। कालंगा गढ़ी सहस्त्रधारा सड़क पर स्थित है। घंटा घर से इसकी दूरी 4.5 किलोमीटर है। इसी वर्ष देहरादून तहसील के वर्तमान क्षेत्र को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया। इसके बाद 1825 में इसे कुमाऊँ मण्डल को हस्तांतरित कर दिया गया। 1828 में अलग-अलग उपायुक्त के प्रभार के अंतर्गत देहरादून और जॉनसार बवार हस्तांतरित कर दिया गया और 1829 में देहरादून जिले को मेरठ खण्ड को हस्तांतरित कर दिया गया। 1842 में देहरादून को सहारनपुर जिले से जोड़ दिया गया और इसे जिलाधीश के अधिनस्थ एक अधिकारी के अधिकार क्षेत्र में रखा गया। 1871 से यह एक अलग जिला है। 1968 में इस जिले को मेरठ खण्ड से अलग करके गढ़वा खण्ड से जोड़ दिया गया।

देहरादून और कुछ महत्वपूर्ण स्थानों के बीच की दूरी

दिल्ली - 240 किमी
यमुनोत्री - 279 किमी
मसूरी - 35 किमी
नैनीताल - 297 किमी
हरिद्वार - 54 किमी
शिमला - 221 किमी
ऋषिकेश - 67 किमी
आगरा - 382 किमी
रुड़की - 43 किमी

रेल: देहरादून उत्तरी रेलवे का एक प्रमुख रेलवे स्टेशन है। यह भारत के लगभग सभी बड़े शहरों से सीधी ट्रेनों से जुड़ा हुआ है। ऐसी कुछ प्रमुख ट्रेनें हैं- हावड़ा-देहरादून एक्सप्रेस, चेन्नई- देहरादून एक्सप्रेस, दिल्ली- देहरादून एक्सप्रेस, बांद्रा-देहरादून एक्सप्रेस, इंदौर- देहरादून एक्सप्रेस आदि।

वायु मार्ग: जॉली ग्रांट एयरपोर्ट देहरादून से 25 से किलोमीटर है। यह दिल्ली एयरपोर्ट से अच्छी तरह से जुड़े हुए हैं। एयर डेक्कन दोनों एयरपोर्टों के बीच प्रतिदिन वायु सेवा संचालित करती है।

दर्शनीय स्थल

तपकेश्वर मंदिर -यह मंदिर सिटी बस स्टेंड से 5.5 कि.मी. की दूरी पर गढ़ी कैंट क्षेत्र में एक छोटी नदी के किनारे बना है। सड़क मार्ग द्वारा यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। यहां एक गुफा में स्थित शिवलिंग पर एक चट्टान से पानी की बूंदें टपकती रहती हैं। शिवरात्रि के पर्व पर आयोजित मेले में लोग बड़ी संख्या में यहां एकत्र होते हैं और यहां स्थित शिव मूर्ति पर श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हैं।

मालसी डियर पार्क-देहरादून से 10 कि.मी. की दूरी पर मसूरी के रास्ते में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है जो शिवालिक श्रंखला की तलहटी में स्थित है। मालसी डियर पार्क एक छोटा सा चिड़ियाघर है जहां बच्चों के लिए प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा एक पार्क भी विकसित किया गया है। सुंदर वातावरण के कारण यहां ताज़गी का अहसास होता है जिससे यह एक आदर्श दर्शनीय-स्थल और पिकनिक-स्पॉट बन चुका है। सहस्त्रधारा सल्फर मिश्रित पानी का झरना है, जिसका औषधिय महत्व भी है। बाल्डी नदी और यहां की गुफाएं एक रोमांचक दृश्य उत्पन्न करती हैं। बस स्टेंड से 14 कि.मी. की दूर, यहां नियमित बस सेवा और टैक्सियों द्वारा पहुंचा जा सकता है। यह पिकनिक के लिए एक अच्छा स्थान है।

कलंगा स्मारक-देहरादून-सहस्त्रधारा मार्ग पर स्थित यह स्मारक ब्रिटिशों और गोरखाओं के बीच 180 वर्ष पहले हुए युद्ध में बहादुरी की गाथाएं याद दिलाता है। रिसपाना नदी के किनारे पहाड़ी पर 1000 फुट की ऊंचाई पर बना यह स्मारक गढ़वाली शासकों के इतिहास को दर्शाता है।

लक्ष्मण सिद्ध-ऋषिकेश की ओर देहरादून से 12 कि.मी. दूर यह एक प्रसिद्ध मंदिर है। किवदंती है कि एक साधु ने यहां समाधि ली थी। मंदिर तक सुलभता से पहुंच होने के कारण विशेषकर रविवार को यहां बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं।

चन्द्रबदनी- देहरादून-दिल्ली मार्ग पर देहरादून से 7 कि.मी. दूर यह मंदिर चन्द्रबदनी(गौतम कुंड) के लिए प्रसिद्ध है। पौराणिक कथाओं के अनुसार इस स्थान पर महर्षि गौतम अपनी पत्नी और पुत्री अंजनी के साथ निवास करते थे. इस कारण मंदिर में इनकी पूजा की जाती है। ऐसा कहा जाता है कि स्वर्ग-पुत्री गंगा इसी स्थान पर अवतरित हुई, जो अब गौतम कुंड के नाम से प्रसिद्ध है। प्रत्येक वर्ष श्रद्धालु इस पवित्र कुंड में डुबकी लगाते हैं। मुख्य सड़क से 2 कि.मी. दूर, चारों ओर से शिवालिक पहाड़ियों के मध्य में यह एक सुंदर पर्यटन स्थल है।

साई दरबार-राजपुर रोड पर शहर से 8 कि.मी. की दूरी पर घंटाघर के समीप साई दरबार मंदिर है। इसका बहुत अधिक सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व है तथा देश-विदेश से दर्शनार्थी यहं आते हैं। साई दरबार के समीप राजपुर रोड पर ही भगवान बुद्ध का बहुत विशाल और भव्य तिब्बती मंदिर है।

रॉबर्स केव (गुच्छुपानी)- पिकनिक के लिए एक आदर्श स्थान रॉबर्स केव सिटी बस स्टेंड से केवल 8 कि.मी. दूर है। हरिद्वार-ऋषिकेश मार्ग पर लच्छीवाला-डोईवाला से 3 कि.मी. और देहरादून से 22 कि.मी. दूर है। सुंदर दृश्यावली वाला यह स्थान पिकनिक-स्पॉट है। यहां हरे-भरे स्थान पर फॉरेस्ट रेस्ट हाउस में पर्यटकों के लिए ठहरने की व्यवस्था है।

वन अनुसंधान संस्थान- घंटा से 7 कि.मी. दूर देहरादून-चकराता मोटर-योग्य मार्ग पर स्थित यह संस्थान भारत में सबसे बड़ा फॉरेस्ट-बेस प्रशिक्षण संस्थान है। जो तथा इसमें एक बॉटनिकल म्यूजियम भी है। एफआरआई (देहरादून) से 3 कि.मी. आगे देहरादून-तकराता मार्ग पर 8 कि.मी. की दूरी पर स्थित इंडियन मिलिटरी एकेडमी सेना अधिकारियों के प्रशिक्षण का एक प्रमुख संस्थान है।

तपोवन- देहरादून-राजपुर रोड पर सिटी बस स्टेंड से लगभग 5 कि.मी. दूर स्थित यह स्थान सुंदर दृश्यों से घिरा है। कहावत है कि गुरु द्रोणाचार्य ने इस क्षेत्र में तपस्या की थी।

संतौला देवी मंदिर- देहरादून से लगभग 15 कि.मी. दूर स्थित प्रसिद्ध संतौला देवी मंदिर पहुंचने के लिए बस द्वारा जैतांवाला तक जाकर वहां से पंजाबीवाला तक 2 कि.मी. जीप या किसी हल्के वाहन द्वारा तथा पंजाबीवाला के बाद 2 कि.मी. तक पैदल रास्ते से मंदिर पहुंचा जा सकता है।

जलवायु : देहरादून की जलवायु समशीतोष्ण है। यहां का तापमान 16 से 36 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है जहां शीत का तापमान 2 से 24 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। देहरादून में औसतन 2073.3 मिलिमीटर वर्षा होती है। अधिकांश वर्षा जून और सितंबर के बीच होती है। अगस्त में सबसे अधिक वर्षा होती है।

नगर के विषय में:राजपुर मार्ग पर या डालनवाला के पुराने आवासीय क्षेत्र में पूर्वी यमुना नहर सड़क से देहरादून शुरु हो जाता है। सड़क के दोनों किनारे स्थित चौड़े बरामदे और सुन्दर ढालदार छतों वाले छोटे बंगले इस शहर की पहचान हैं। इन बंगलों के फलों से लदे हुए पेड़ों वाले बगीचे बरबस ध्यान आकर्षित करते हैं। घण्टाघर से आगे तक फैलाहुआ रंगीन पलटन बाजार यहाँ का सर्वाधिक पुराना और व्यस्त बाजार है। यह बाजार तब अस्तित्व में आया जब 1820 में ब्रिटिश सेना की टुकड़ी को आने की आवश्यकता पड़ी। आज इस बाजार में फल, सब्जियां, सभी प्रकार के कपड़े, तैयार वस्त्र (रेडीमेड गारमेंट्स) जूते और घर में प्रतिदिन काम आने वाली वस्तुयें मिलती हैं। इसके स्टोर माल, राजपुर सड़क तक है जिसके दोनों ओर विश्व के लोकप्रिय उत्पादों के शो रूम हैं। अनेक प्रसिद्ध रेस्तरां भी राजपुर सड़क पर है। कुछ छोटी आवासीय बस्तियाँ जैसे राजपुर, क्लेमेंट टाउन, प्रेमनगर और रायपुर इस शहर के पारंपरिक गौरव हैं।

देहरादून के राजपुर मार्ग पर भारत सरकार की दृष्टिबाधितों के लिए स्थापित पहली और एकमात्र राष्ट्रीय स्तर की संस्था राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्थान (एन.आई.वी.एच.) स्थित है। इसकी स्थापनी 19वीं सदी के नब्बे के दशक में विकलांगों के लिए स्थापित चार संस्थाओं की श्रंखला में हुआ जिसमें राष्ट्रीय दृष्टिबाधित संस्था के लिए देहरादून का चयन किया गया। यहाँ दृष्टिबाधित बच्चों के लिए स्कूल, कॉलेज, छात्रावास, ब्रेल पुस्तास्तलय एवं ध्वन्यांकित पुस्तकों का पुस्तकालय भी स्थापित किया गया है। इसके कर्मचारी इसके अन्दर रहते हैं इसके अतिरिक्त (तेज यादगार) शार्प मेमोरियल नामक निजी संस्था राजपुर में हैं यें दृष्टि अपंगता तथा कानों सम्बन्धि बजाज संस्थान तथा राजपुर सड़क पर दूसरी अन्य संस्थाये बहुत अच्छा कार्य कर रही है। उत्तराखण्ड सरकार का एक और नया केन्द्र है। करूणा विहार, बसन्त विहार में कुछ कार्य शुरू किये है। तथा गहनता से बच्चों के लिये कार्य कर रहें है तथा कुछ नगर के चारों ओर केन्द्र है। देहरादून राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र है। रिस्पना ब्रिज शायर गृह डालनवाला में हैं। जो मानसिक चुनौतियों के लिए कार्य करते है। मानसिक चुनौतियों के लिए काम करने के अतिरिक्त राफील रेडरचेशायर अंतरराष्ट्रीय केन्द्र ने टी.बी व अधरंग के इलाज के लिये भी अस्पताल बनाया। अधिकाँश संस्थायें भारत और विदेश से स्वेच्छा से आने वालो को आकर्षित तथा प्रोत्साहित करती है। आवश्यकता विहीन का कहना है कि स्वेच्छा से काम करने वाले इन संस्थाओं को ठीक प्रकार से चलाते है। तथा अयोग्य, मानसिक चुनौतियो और कम योग्य वाले लोगो को व्यक्तिगत रूप से चेतना देते है।

देहरादून अपनी पहाड़ियों और ढलानों के साथ-साथ साईकिलिंग का भी एक महत्वपूर्ण स्थान है। चारों ओर पर्वतों और हरियाली से घिरा होने के कारण यहाँ साईकिलिंग करना बहुत सुखद है। लीची देहरादून का पर्यायवाची है क्योंकि यह स्वादिष्ट फल चुनिंदा जलवायु में ही उगता है। देहरादून देश की उन जगहों में से एक है जहाँ लीची उगती है। लीची के अतिरिक्त देहरादून के चारों ओर बेर, नाशपत्ती, अमरूद और आम के पेड़ है। जो नगर की बनावट को घेरे हुये है। ये सारी चीजें घाटी के आकर्षण में वृद्धि करती है। यदि मई माह या जून के शुरू की गर्मियों में भ्रमण के लिये जाएं तो तुम इन फलों को केवल देखेंगे ही नहीं बल्कि खरीदेंगे भी। बासमती चावल की लोकप्रियता देहरादून या भारत में ही नही बल्कि विदेशों में भी है। एक समय अंग्रेज भी देहरादून में रहते थे और वे नगर पर अपना प्रभाव छोड़ गये। उदाहरण के रूप में देहरादून की बैकरीज (बिस्कुट आदि) आज भी यहाँ प्रसिद्ध है। उस समय के अंग्रेजों ने यहाँ के स्थानीय स्टाफ को सेंकना सिखाया। यह निपुणता बहुत अच्छी सिद्ध हुई तथा यह निपुणता अगली संतति सन्तान में भी आयी। फिर भी देहरादून के रहने वालो के लिये यहाँ के स्थानीय रस्क, केक, होट क्रोस बन्स, पेस्टिज और कुकीज मित्रों के लिये सामान्य उपहार है, कोई भी ऐसी नही बनाता जैसे देहरादून में बनती है। दूसरा उपहार जो पर्यटक यहाँ से ले जाते है विख्यात क्वालिटी की टॉफी जोकि क्वालिटी रेस्टोरेन्ट (गुणवत्ता वाली दुकानों) से मिलती हैं। यद्यपि आज बडी संख्या में दूसरी दुकानों (स्टोर) से भी ये टॉफी मिलती है परन्तु असली टॉफी आज भी सर्वोतम है। देहरादून में आनंद के और बहुत से पर्याप्त विकल्प है।

सड़क मार्ग

देहरादून देश के विभिन्न हिस्सों से सड़क मार्ग से जुड़ा हुआ है और यहां पर किसी भी जगह से बस या टेक्सी से आसानी से पहुंचा जा सकता है। सभी तरह की बसें, (साधारण और लक्जरी) गांधी बस स्टेंड जो दिल्ली बस स्टेंड के नाम से जाना जाता है, यहां से खुलती हैं। यहां पर दो बस स्टैंड हैं। देहरादून और दिल्ली, शिमला और मसूरी के बीच डिलक्स/ सेमी डिलक्स बस सेवा उपलब्ध है। ये बसें क्लेमेंट टाउन के नजदीक स्थित अंतरराज्यीय बस टर्मिनस से चलती हैं। दिल्ली के गांधी रोड बस स्टैंड से एसी डिलक्स बसें (वोल्वो) भी चलती हैं। यह सेवा हाल में ही यूएएसआरटीसी द्वारा शुरू की गई है। आईएसबीटी, देहरादून से मसूरी के लिए हर 15 से 70 मिनट के अंतराल पर बसें चलती हैं। इस सेवा का संचालन यूएएसआरटीसी द्वारा किया जाता है। देहरादून और उसके पड़ोसी केंद्रों के बीच भी नियमित रूप से बस सेवा उपलब्ध है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

क्वाड सम्मेलन में कोविड-19 की चुनौतियों समेत इन मुद्दों पर होगी चर्चा

वाशिंगटन। व्हाइट हाउस ने मंगलवार को कहा कि ऑस्ट्रेलिया, भारत, जापान और अमेरिका के नेता चतुष्पक्षीय गठबंधन (क्वाड) के आगामी सम्मेलन में कोविड-19 की चुनौतियों, आर्थिक संकट, जलवायु परिवर्तन जैसे अनेक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने अपने नियमित संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''यह कार्यक्रम राष्ट्रपति जो बाइडन के उन बहुपक्षीय कार्यक्रमों में से एक है जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सहयोगियों और साझेदारों के साथ निकट सहयोग को अहमियत देने से जुड़ा हुआ है।'' साकी ने संवाददाताओं से कहा, ''हमें उम्मीद है कि इसमें कोविड-19 की चुनौतियों, आर्थिक सहयोग और जलवायु परिवर्तन जैसे अनेक मुद्दों पर चर्चा होगी जिनका सामना पूरी दुनिया कर रही है।'' साकी ने कहा कि शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति जो बाइडेन क्वाड के अपने समकक्ष-- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के साथ ऑनलाइन वार्ता करेंगे। इस बीच, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने एक अन्य संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शिखर सम्मेलन पेश आ रही अहम चुनौतियों से निपटने के लिए मिलकर प्रयास करने और सहयोग की आदत डालने की क्वाड की क्षमता को प्रदर्शित करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने दक्षिण कोरिया के क्वाड में शामिल होने के सवाल पर कोई भी टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष नेताओं का सम्मेलन 12 मार्च को ऑनलाइन आयोजित होगा।

ट्यूनिशियाई तट के पास पलटी प्रवासियों की नौका, 39 अफ्रीकी लोगों की मौत

ट्यूनिश। ट्यूनीशियाई तटीय क्षेत्र के पास मंगलवार को एक नौका के पलट जाने से उसमें सवार 93 लोगों में से 39 अफ्रीकी प्रवासियों की मौत हो गयी। ट्यूनीशियाई नेशनल गार्ड के प्रवक्ता ने बताया कि दक्षिण ट्यूनिशिया में सफाक्स शहर के पास जलक्षेत्र में राहत दलों ने शवों को पानी से निकाला। ट्यूनीशिया के रक्षा मंत्रालय के बयान के अनुसार पास में एक दूसरी नौका भी थी और बचाव दलों ने दोनों नौकाओं से कुल 165 प्रवासियों को बचाया।

फिर डराने लगी कोरोना की तेजी, विश्व में एक दिन में 3.5 लाख अधिक लोग संक्रमित

नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) से दुनियाभर में पिछले 24 घंटे में साढ़े तीन लाख अधिक लोगों के नए मामले सामने आने के साथ ही विश्व में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 11.75 करोड़ से अधिक हो गई है। अमेरिका की जॉन हॉपकिन्स यूनिवर्सिटी के विज्ञान एवं इंजीनियरिंग केंद्र (सीएसएसई) की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार दुनिया के 192 देशों एवं क्षेत्रों में इस दौरान कोरोना वायरस के तीन लाख 60 हजार 245 नये मामले सामने आए है। इसके साथ विश्व में संक्रमितों की संख्या 11,75,08,425 हो गई। विश्व में अमेरिका, भारत, ब्राजील और रूस कोरोना महामारी से सबसे अधिक प्रभावित है और इन सभी देशों व्यापक स्तर पर कोविड वैक्सीन का टीका लगाया जा रहा है।

प्लेन क्रैश के बाद खतरनाक जंगल में फंस गया पायलट, चिड़ियों के अंडे खाकर 5 हफ्ते जिंदा रहा, हैरान कर देगी कहानी

नई दिल्ली। मजबूरी क्या-क्या नहीं कराती और बात जब जिंदा रहने की हो तो इंसान कुछ भी करने के लिए तैयार हो जाता है। ऐसा ही एक मामला सामने आया है जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना है। दरअसल, प्लेन क्रैश होने के बाद एक पायलट अमेजन के खतरनाक जंगलों में गिर गया और पांच हफ्ते तक चिड़ियों के अंडे और जंगली फलों को खाकर जिंदा रहा। डेलीमेल की खबर के मुताबिक, 36 वर्षीय पायलट एंटोनियो 28 जनवरी से ही लापता चल रहे थे। उन्होंने पुर्तगाल के एलेंकेर शहर से उड़ान भरी थी और वे एलमेरियम शहर जा रहे थे। लेकिन इस बीच जहाज में कोई तकनीकी खराबी आने के कारण उन्होंने उसे अमेजन के जंगलों में उतारने का फैसला किया। लेकिन जहाज क्रैश हो गया और वो जंगलों में फंस गए। यहां उनके लिए मुसीबतों का अंबार था, जिंदा रहने के लिए उनके पास खाने के लिए कुछ भी नहीं था। जो कुछ खाने का सामना उन्होंने क्रैश से पहले थैले में जमा किया था वो दो-तीन दिन में ही खत्म हो गया। इसके बाद उन्होंने अपना पेट भरने के लिए चिड़ियों के घोंसले में से अंडे खाना शुरू कर दिया। एंटोनियो ने जंगली फलों से भी परहेज नहीं किया। ऐसा पांच हफ्तों तक चलता रहा, जब तक कि रेस्क्यू टीम ने उन्हें ढूंढ़ नही लिया।

महीने भर जंगलों में घूमता रहा

पायलट के लापता होने के बाद रेस्क्यू टीम उन्हें तलाशने के अभियान में जुट गई थी। एंटोनियो अपने जहाज के पास कई दिन रहने के बाद मदद की तलाश में लगातार जंगलों में घूम रहे थे। एक महीने से भी अधिक समय तक कई खूंखार जानवरों की मौजूदगी वाले जंगल में भी वे मजबूती से डटे रहे। जंगलों में मदद ढूंढ़ने के दौरान ही उनकी रेस्क्यू टीम से मुलाकात हो गई। इसके बाद टीम एंटोनियो को अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टर्स ने कुछ छोटी-मोटी चोट और डिहाईड्रेशन का इलाज करने के बाद उन्हें छुट्टी दे दी।

भारत के बाद अमेरिका से उलझने को ड्रैगन तैयार? सेना से बोले जिनपिंग- जवाब देने को रहें तैयार

बीजिंग। (एजेंसी)।

भारत का पड़ोसी देश चीन दुनियाभर में अपनी विस्तारवादी नीति के लिए कुख्यात है। पूर्वी लद्दाख में भारत के साथ कई महीनों तक तनावपूर्ण हालात रहे तो वहीं अमेरिका के साथ भी चीन के रिश्ते कुछ अच्छे दिखाई नहीं दे रहे हैं। पिछले राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समय अमेरिका चीन पर किस कदर हावी रहता था, यह किसी से छिपा नहीं है। अब नए राष्ट्रपति जो बाइडन के समय भी दोनों के रिश्ते ताइवान, हॉन्ग-कॉन्ग आदि पर तनावपूर्ण ही हैं। इन सबके बीच चीनी राष्ट्रपति ने पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (चीनी सेना) को तैयार रहने का आदेश दिया है, जिससे एक बार फिर से नजरें ड्रैगन पर टिक गई हैं। माना जा रहा है कि भारत के बाद अब चीन का अमेरिका से आमना-सामना हो सकता है।

'जवाब देने को तैयार रहे चीनी आर्मी'

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मंगलवार को पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से कहा कि वह कठिन एवं जटिल परिस्थितियों में जवाब देने के लिए तैयार रहे। सेंट्रल मिलिट्री कमिशन के प्रमुख शी जिनपिंग ने बीजिंग में वार्षिक विधायी सत्रों के दौरान सशस्त्र बलों के प्रतिनिधियों के सामने एक पैनल चर्चा में यह बयान दिया। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के अनुसार, जिनपिंग ने कहा, 'हमारे देश की वर्तमान सुरक्षा स्थिति काफी हद तक अस्थिर और अनिश्चित है। पूरी सेना को क्षमता के साथ निर्माण और युद्ध की तत्परता के बीच संबंधों का समन्वय करना चाहिए। किसी भी समय विभिन्न प्रकार की जटिल और कठिन परिस्थितियों का जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए। राष्ट्रीय संप्रभुता, सुरक्षा और विकास हितों की पूरी तरह से रक्षा करना चाहिए और व्यापक निर्माण के लिए मजबूत समर्थन प्रदान करना चाहिए।'

'चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा उच्च जोखिम वाले फेज में' : इसके साथ ही जिनपिंग ने उच्च-स्तरीय रणनीतिक एवं संयुक्त युद्ध प्रणाली और सेना में मॉडर्न तकनीक की आवश्यकता पर भी जोर दिया। चीनी राष्ट्रपति के बयान से पहले डिफेंस मिनिस्टर जनरल वेई फेंगहे ने शनिवार को सेना से युद्ध की तत्परता को बढ़ाने के लिए कहा था। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि चीन की राष्ट्रीय सुरक्षा उच्च जोखिम वाले चरण में प्रवेश कर गई है। वेई ने कहा, 'हम राष्ट्रीय रक्षा में बढ़ते टास्क्स का सामना कर रहे हैं। हमें युद्ध के लिए सैन्य प्रशिक्षण और तैयारियों में व्यापक रूप से सुधार करना चाहिए ताकि हमारे मजबूत दुश्मनों पर विजय प्राप्त करने के लिए हमारी सामरिक क्षमताओं को बढ़ाया जा सके।' चीनी डिफेंस मिनिस्टर ने यह भी कहा कि चीनी राष्ट्र का कायाकल्प एक महत्वपूर्ण स्तर पर है, जहां हम अभूतपूर्व अवसरों के साथ-साथ अभूतपूर्व चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

चीनी विदेश मंत्री ने दी थी अमेरिका को चेतावनी

इससे पहले, रविवार को चीनी विदेश मंत्री वांग यी ने वॉशिंगटन को ताइवान पर 'लाल रेखा' को पार न करने की चेतावनी देते हुए कहा था कि ताइवान मुद्दे पर समझौता या रियायत के लिए कोई जगह नहीं है। सैन्य बैठक में, मेजर जनरल यांग चेंग ने कहा कि चीनी सेना को अपनी प्रारंभिक चेतावनी और टोही प्रयासों को मजबूत करने और देश की सीमाओं पर नियंत्रण को मजबूत करने की आवश्यकता है। बता दें कि अमेरिका और चीन के बीच कई मुद्दों पर विवाद की स्थिति है। पिछले महीने जब अमेरिकी राष्ट्रपति बाइडन ने पहली बार चीनी राष्ट्रपति को फोन किया था तो उन्होंने चीन में हो रहे मानवाधिकार उल्लंघन समेत कई मुद्दों पर जमकर लताड़ लगाई थी। चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग के साथ बातचीत में बाइडन ने चीन की अनुचित व्यापार प्रथाओं, हॉन्ग-कॉन्ग में उसकी सख्त कार्रवाई, शिनजियांग में मानवाधिकारों का हनन और क्षेत्र में उसकी मुखरता के बारे में अपनी चिंताओं को व्यक्त किया था।

चीनी वैक्सीन के सहारे पाकिस्तान ने शुरू किया बुजुर्गों का कोरोना टीकाकरण, खरीदी नहीं कोई दवा, सिर्फ खैरात का आसरा

इस्लामाबाद। (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ दुनियाभर में वैक्सीनेशन तेज गति से जारी है। भारत ने भी कई देशों को वैक्सीन मुहैया करवाई है। जहां एक ओर भारत के पास मेड इन इंडिया वैक्सीन्स हैं, तो दूसरी पड़ोसी देश पाकिस्तान अभी भी कोई वैक्सीन नहीं बना सका है और न ही वह खरीदने वाला है। दरअसल पाकिस्तान चीन की वैक्सीन और खैरात में अन्य देशों से मिलने वाली वैक्सीन के भरोसे ही बैठा हुआ है। इन्हीं वैक्सीन्स के बदौलत पाकिस्तान ने 60 साल से अधिक उम्र वाले लोगों का वैक्सीनेशन भी शुरू कर दिया है। पाकिस्तान में भी पिछले कुछ दिनों में कोरोना के मामलों में एक बार फिर से तेजी आई है।

पाकिस्तान के दोस्त चीन ने पिछले महीने उसे अपनी वैक्सीन सिनोफार्म की डोज दी थीं। इसी वैक्सीन्स की बदौलत पाकिस्तान अपने देश के नागरिकों का टीकाकरण कर रहा है। पाकिस्तान को वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन की कोवैक्स फैसिलिटी के तहत एस्ट्राजेनेका की कोरोना वैक्सीन भी मिलने वाली है। प्रशासन का कहना है कि पाकिस्तान को मार्च से लेकर जून महीने तक इस स्कीम के तहत एक करोड़ 70 लाख वैक्सीन की डोज मिलेगी। पड़ोसी देश में एक मार्च से कोरोना के मामलों में बढ़ोतरी देखी गई है। उसी दौरान स्कूलों को भी वापस शुरू किया गया था। वहीं, आज सरकार इस बात पर भी फैसला करेगी कि क्या स्कूलों को फिर से शुरू रखा जाए या फिर बंद कर दिया जाए। इस समय पाकिस्तान में कोरोना वायरस के 5,95,239 मामले हैं, जिसमें से 13,324 लोगों की मौत हो चुकी है।

'60 पार लोगों पर नहीं है असरदार चीनी टीका' : अब भले ही पाकिस्तान चीनी टीके का इस्तेमाल बुजुर्ग लोगों पर कर रहा हो, लेकिन कुछ समय पहले वह ही इन टीकों को खराब बता चुका है। प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य मामलों के विशेष सहायक डॉक्टर फैसल सुल्तान ने हाल ही में कहा था कि पाकिस्तान की विशेषज्ञ समिति ने डेटा के प्रारंभिक विश्लेषण पर विचार करने के बाद सुझाव दिया गया है कि टीका केवल 18 से 60 साल तक के आयु समूहों के लोगों को लगाया जाए। उन्होंने कहा था समिति ने इस चरण में सिनोफार्म टीके को 60 साल से अधिक उम्र के लोगों के लिए अधिकृत नहीं किया है। चीन ने पाकिस्तान को पांच लाख सिनोफार्म टीके दान किए थे, जिन्हें लेने के लिए पाकिस्तान से एक विमान गया था।

इस साल भी वैक्सीन नहीं खरीदेगी इमरान सरकार : पाकिस्तान इस साल भी वैक्सीन नहीं खरीदने वाला है। दरअसल, इमरान सरकार कोरोना महामारी से निपटने के लिए हर्ड इम्यूनिटी और साथी देशों से मुफ्त में मिलने वाली कोरोना वैक्सीन पर निर्भर रहेगी। पाकिस्तान के डॉन न्यूज की खबर के मुताबिक नेशनल हेल्थ सर्विसेज के सेक्रटरी आमिर अशरफ ख्वाजा ने पिछले दिनों पब्लिक अकाउंट्स कमेटी की ब्रीफिंग के दौरान यह जानकारी दी है। नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ हेल्थ एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर मेजर जनरल आमिर इकराम के मुताबिक, चीन की बनाई कोरोना वैक्सीन के एक डोज की कीमत 13 डॉलर है। उन्होंने यह भी बताया कि पाकिस्तान वैक्सीन के लिए अंतरराष्ट्रीय डोनर्स और चीन जैसे साथी देशों पर निर्भर है। पाकिस्तान का लक्ष्य इस साल के अंत तक 7 करोड़ लोगों को टीका देने का है।

भारतीय महिलाओं का दिख रहा जलवा, न्यूयॉर्क में इन 7 महिलाओं को किया गया सम्मानित

न्यूयॉर्क। (एजेंसी)।

'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' के मौके पर अपने-अपने क्षेत्र में योगदान के लिए सात भारतीय महिलाओं को सम्मानित किया गया। ऑफ इंडिया' ने 'ब्रुकलिन बरोप्रेसिडेंट' के कार्यालय और न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर ब्रुकलिन बरो हॉल में एक समारोह का आयोजन किया था।

बयान के अनुसार, वड़ोदरा की 'नवरचना एजुकेशन सोसायटी' की अध्यक्ष तेजल अमीन, हार्टफोर्ड हेल्थकेयर में चिकित्सक डॉ. उमा रानी मधुसूदन, दंत चिकित्सक डॉ. आभा जायसवाल, नर्स रश्मी अग्रवाल, निःशुल्क सेवाएं देने वाल सामुदायिक वकील सबीना ढिल्लों और निर्माता, अभिनेत्री राशना शाह को सम्मानित किया गया। इनके अलावा 'मास्क स्क्वाड' को भी सम्मानित किया गया, यह समान विचारधारा वाली महिलाओं का एक समूह है, जिसने वैश्विक महामारी के दौरान जरूरतमंद लोगों को मास्क सिलकर पहुंचाए।

न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूत रणधीर जायसवाल ने इस मौके पर कहा कि महिला सशक्तिकरण दुनिया में सामाजिक-आर्थिक विकास का एक प्रमुख घटक है। एफआईए ने एक बयान में बताया कि न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी और कनेक्टिकट (एफआईए) के 'फेडरेशन

कौन होगा दलाई लामा का वारिस, अमेरिका ने चीनी सरकार को दखल देने से किया मना

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन के प्रशासन ने कहा है कि चीनी सरकार की तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा का वारिस चुनने की प्रक्रिया में कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता नेड प्राइस ने दैनिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' हमारा मानना है कि चीन की सरकार की तिब्बती आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा का वारिस चुनने की प्रक्रिया में कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।''

प्राइस ने कहा, '' 25 साल से अधिक समय पहले पंचेन लामा के उत्तराधिकार की प्रक्रिया में बीजिंग का हस्तक्षेप,जिसमें पंचेन लामा को बचपन में ''गायब'' करना और फिर 'पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना'(पीआरएस) सरकार द्वारा चुने गए उत्तराधिकारी को उनका स्थान देने का प्रयास करना धार्मिक स्वतंत्रता के घोर उल्लंघन को दर्शाता है। ''

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दिसम्बर में एक कानून पर हस्ताक्षर किए थे, जिसमें तिब्बत में वाणिज्य दूतावास स्थापित करने और एक अंतरराष्ट्रीय गठबंधन बनाने की बात की गई है, ताकि यह सुनिश्चत किया जा सके कि अगले दलाई लामा केवल तिब्बती बौद्ध समुदाय द्वारा चुने जाए और इसमें चीन का कोई हस्तक्षेप नहीं हो।

चीन के साथ एलएसी विवाद ने भारत को दूसरों के साथ सहयोगात्मक प्रयास की जरूरत का कराया एहसासं

वाशिंगटन। पेंटागन के एक शीर्ष कमांडर ने मंगलवार को सांसदों से कहा कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर हाल की गतिविधियों ने भारत को यह एहसास दिलाया है कि उनकी अपनी रक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरों के साथ सहयोगात्मक प्रयास के क्या मायने हो सकते हैं। 'यूएस इंडो-पैसिफिक' कमान के कमांडर एडमिरल फिल डेविडसन ने 'सीनेट फॉरेन रिलेशन कमेटी' के सदस्यों से कहा, '' आप जानते हैं कि भारत ने लंबे समय से रणनीतिक स्वायत्तता का रुख अपनाया हुआ था, गुटनिरपेक्षता का रुख लेकिन मुझे लगता है कि चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा पर हाल की गतिविधियों ने उसे एहसास करा दिया है कि उनकी अपनी रक्षा संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरों के साथ सहयोगात्मक प्रयास के क्या मायने हो सकते हैं।' एडमिरल ने सीनेटर एंगस किंग के सवाल का जवाब देते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, 'भारत को संकट के समय हमने कुछ सूचनाएं भी दी थीं। इनके अलावा कुछ उपकरण आदि भी दिए थे और पिछले कई वर्षों में, हम अपने समुद्री सहयोग को भी प्रगाढ़ कर रहे हैं।'' डेविडसन ने कहा कि मुझे लगता है कि चार देशों के गठबंधन (क्वाड) के साथ भारत अपने संबंध गहरा करेगा और मुझे लगता है कि यह हमारे, ऑस्ट्रेलिया और जापान के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक अवसर है।

पाक कोर्ट ने सीनेट चुनाव में यूसुफ रजा गिलानी की जीत के खिलाफ दायर याचिका खारिज की

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने सीनेट चुनाव में पूर्व प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी की जीत के खिलाफ सत्तारूढ़ दल की एक याचिका को खारिज करते हुए कहा कि राजनीतिक मामलों में न्यायपालिका को अनावश्यक रूप से घसीटना उचित नहीं है। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने सत्तारूढ़ पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के सांसद अली नवाज की एक याचिका पर सुनवाई की जिन्होंने आरोप लगाया कि गिलानी वोट खरीदकर चुनाव में जीते। आरंभिक दलीलें सुनने के बाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अतहर मिनाल्ला ने याचिकाकर्ता को पाकिस्तान चुनाव आयोग का रुख करने को कहा जहां पर पहले से मामले की सुनवाई चल रही है। अदालत ने कहा कि राजनीतिक मामलों में न्यायपालिका को अनावश्यक तरीके से घसीटना ठीक बात नहीं है और याचिका को खारिज कर दिया। पाकिस्तान के विपक्षी दलों ने इस सप्ताह सीनेट अध्यक्ष के चुनाव के लिए गिलानी को अपना संयुक्त उम्मीदवार बनाया है। पाकिस्तान डेमोक्रेटिक मूवमेंट के उम्मीदवार के तौर पर सीनेट चुनाव में उतरे गिलानी ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उम्मीदवार और वित्त मंत्री अब्दुल हाफिज शेख को हराया।

13 साल की छात्र के शिकायत के कारण टीचर का काट दिया था सिर, अब पलटा बयान

संयुक्त राष्ट्र। (एजेंसी)।

16 अक्टूबर 2020 में फ्रांस में अपने विद्यार्थियों को पैगंबर मोहम्मद का कार्टून दिखाने वाले शिक्षक सैमुअल पैटी का सिर कलम किये जाने वाले मामले में एक बड़ा खुलासा हुआ है। टीओआई की एक खबर के मुताबिक, शिक्षक सैमुअल पैटी के खिलाफ गवाही देने वाले छात्र ने अपना बयान बदल दिया है। उसने अपने बयान में बताया कि टीचर सैमुअल पैटी के खिलाफ उसने झूठा दावा किया था। आपको बता दें कि फ्रांस के टीचर की एक 18 साल के लड़के ने गर्दन काटकर हत्या कर दी थी, ऐसा इसलिए क्योंकि टीचर ने क्लास में अपने छात्रों को पैगंबर मोहम्मद का कार्टून दिखाया था। 13 साल की एक छात्र की शिकायत के बाद से ही टीचर के खिलाफ ऑनलाइन अभियान काफी जोरो-शोरों से भी चले। इस छात्र ने यह दावा किया था कि टीचर ने पैगंबर मोहम्मद का कार्टून दिखाते वक्त उसे क्लास से बाहर निकाल दिया था लेकिन बाद में अपने बयान को पलटकर उसने यह कहा है कि वह उस दिन स्कूल गई ही नहीं थी।

क्यों पलटा बयान?

जिस 13 साल की छात्र की शिकायत के कारण सैमुअल पैटी की हत्या हुई उसने अपने पिता को बताया था कि टीचर मुस्लिम छात्रों के साथ भेदभाव और उन्हें निशाना बनाने की कोशिश कर रहे है। उसने अपने पिता से यह कहा था कि जब टीचर पैगंबर मोहम्मद का कार्टून दिखाने वाले थे उससे पहले ही उसे क्लास से बाहर निकाल दिया था। इस बयान के बाद छात्र के पिता ने कानूनी शिकयत की थी जिसके बाद सोशल मीडिया पर टीचर के खिलाफ अभियान भी चलाए गए। बताते चले कि यह अभियान ही सैमुअल पैटी की हत्या का कारण बना। खबर के मुताबिक, छात्र का झूठ आतंकवाद-रोधी उप-निदेशालय की जांच के दौरान सामने आया। जब छात्र के और अन्य क्लासमेट्स से पूछताछ की गई तब पता चला कि टीचर के खिलाफ शिकायत करने वाली छात्र उस दिन स्कूल आई ही नहीं थी, इसके अलावा पैटी ने किसी भी मुस्लिम छात्र को क्लास के बाहर भेजा ही नहीं था। जब यह बात 13 साल की छात्र के सामने रखी गई तब उसने सच्चाई बताई और अपने बयान को झूठा करार दिया। वहीं टीचर के परिवारवालों के मुताबिक एक 13 साल की छात्र इतना बड़ा और झूठा बयान किसी और की सहायता के बिना नहीं दे सकती है। परिवार वालों का शक है कि उसके पीछे किसी और का भी हाथ हो सकता है।

फ्रांस में बढ़ा था आतंकवादी खतरे का जोखिम

पैटी की हत्या के बाद फ्रांस के गृहमंत्री ने कहा था कि देश पर आतंकवादी खतरे को 'बहुत अधिक' जोखिम है। इस ऐलान के बाद से फ्रांस की सरकार धार्मिक स्थलों की सुरक्षा बढ़ाने में जुट गई थी। वहीं बढ़ते फ्रांसीसी राजनयिक तुर्की और अरब देशों में गुस्से को दूर करने का भी काफी प्रयत्न किया गया। गौरतलब है कि फ्रांस में 16 अक्टूबर को शिक्षक का सिर कलम कर दिये जाने की घटना के बाद राष्ट्रपति एमैनुअल मैंक्रो द्वारा इस्लामवाद के खिलाफ सख्त रूख

अपनाये जाने के बाद तुर्की और अरब देशों में फ्रांस-विरोधी प्रदर्शन हुए और फ्रांसीसी चीजों का बहिष्कार करने का आह्वान भी किया।वैसे तो यूरोपीय सहयोगियों ने मैक्रों का समर्थन किया है लेकिन मुस्लिम बहुल देश पैगंबर के कार्टून पर उनके रूख से नाराज़ हो गये। ये देश इसे इस्लाम का अपमान मानते हैं। गृह मंत्री गेराल्ड डार्मानिन ने फ्रांस-इंटर रेडियो पर कहा कि आतंकवादी खतरे का 'जोखिम बहुत अधिक है क्योंकि देश के अंदर और बाहर हमारे बहुत सारे दुश्मन हैं।'' उन्होंने उन मुस्लिम संगठनों को छिन्न-भिन्न करने की कोशिश की योजना दोहरायी जो खतरनाक कट्टरपंथी सोच के प्रचारकर्ता या बहुत ज्यादा विदेशी वित्तपोषण प्राप्त करने वाले के रूप में देखे जाते हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

कलयुग की कहानी

राजकोट में बहू ने अपनी सास के ऊपर फेंका जलता स्टोव, अस्पताल में भर्ती

क्रांति समय दैनिक

राजकोट,राजकोट शहर में एक विधवा बहू ने अपनी बूढ़ी सास पर जलता हुआ स्टोव फेंक दिया। इस हमले में बुजुर्ग बुरी तरह घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। आरोपी विधवा बहू के खिलाफ पुलिस ने संगीन धाराओं में मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक, राजकोट शहर की रहने वाली ७० वर्षीय देवुबेन नानजीभाई मकवाणा ने अपनी विधवा बहू के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। देवुबेन ने शिकायत में कहा कि मेरे छोटे बेटे वसंत का तीन साल पहले निधन हो गया। सास ने अपनी शिकायत में कहा कि मैं माधापर में अपने सबसे छोटे बेटे की विधवा अमृतबेन और उसके तीन बच्चों के साथ रहती हूं। मेरे साथ विधवा बहू हर छोटी छोटी बात पर झगड़ा करती थी। सोमवार को भी हमारे बीच झगड़ा हुआ था। इसके बाद मैं सबसे बड़े बेटे शंकर के पास चली गई। वह मनहरपुर में रहता है। बुजुर्ग

ने कहा कि मंगलवार दोपहर को मेरे सबसे बड़े बेटे शंकर की पत्नी कुंदन स्टोव पर रोटी बना रही थी। इस समय छोटी बहु अमृता आगबबूला हुई अमृता ने जलता हुआ स्टोव उठाकर मेरे पर फेंका, जिससे मेरे दोनों हाथ जल गए। सास ने बताया कि घटना के बारे में पता चलने पर बेटा तुरंत पहुंचा और आग को ज्यादा फैलने से रोक कर उसे बचा लिया।

घटना के बाद बुजुर्ग को इलाज के लिए राजकोट के सिविल अस्पताल में बर्न विभाग में भर्ती कराया गया है।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरुकर दी है।

मोहन डेलकर आत्महत्या केस में संघ प्रदेश के प्रशासक की मुश्किलें बढ़ीं

अहमदाबाद, संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली के सांसद मोहन डेलकर आत्महत्या केस में संघ प्रदेश के प्रशासक प्रफुल पटेल के मुश्किलें बढ़ गई हैं। प्रफुल पटेल से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज होने से संघ प्रदेश की राजनीति में हड़कम्प मच गया है। मुंबई की पुलिस ने प्रफुल पटेल समेत ९ लोगों के खिलाफ आत्महत्या की दुष्प्रेरणा की रिपोर्ट दर्ज की है। मोहन डेलकर पुत्र अभिनव डेलकर और पत्नी कला डेलकर ने मुंबई की मरीन ड्राइव पुलिस थाने में ९ लोगों के खिलाफ नामजद रिपोर्ट की है। इन आरोपियों में प्रफुल पटेल के अलावा दादरा नगर हवेली के कलेक्टर संदीपसिंह, डिप्टी कलेक्टर अपूर्व शर्मा, डीवायएसपी मनस्वी जैन, पूर्व एसपी शरद भास्कर, तलाटी दिलीप पटेल और भाजपा के कई स्थानीय नेताओं के नाम शामिल हैं। संघ प्रदेश के प्रशासक प्रफुल पटेल से लेकर वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज होने से संघ प्रदेश की राजनीति में भूचाल आ गया है। बीते दिन ही डेलकर के पुत्र और पत्नी ने मुंबई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से मुलाकात की थी। महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख विधानसभा में ऐलान कर चुके हैं कि मोहन डेलकर आत्महत्या केस की जांच के लिए एसआईटी का गठन किया

गुजरात में तीन महीने बाद कोरोना के सबसे अधिक नए केस आए सामने

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,गुजरात में स्थानीय निकाय चुनाव के समय से कोरोना संक्रमण दिन प्रति दिन बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को राज्य में कोरोना के ५८१ नए केस सामने आए थे और बुधवार को यह आंकड़ा ६७५ पर पहुंच गया है। तीन महीने बाद गुजरात में बुधवार को सबसे अधिक कोरोना संक्रमित मरीज सामने आए हैं। राहत की बात यह है कि बुधवार को राज्य में एक भी मरीज की कोरोना से मौत नहीं हुई। जबकि ४८४ मरीजों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक बुधवार को सबसे अधिक कोरोना पॉजिटिव के १६१ केस सूरत कॉर्पोरेशन में सामने आए। जबकि अहमदाबाद कॉर्पोरेशन में १४१, वडोदरा कॉर्पोरेशन में ९६, राजकोट कॉर्पोरेशन में ६५, सूरत में १८, भावनगर कॉर्पोरेशन में १७, भरुच और खेडा में १५-१५, राजकोट में १४, आणंद में १३, कच्छ में १२, वडोदरा में ११, गांधीनगर कॉर्पोरेशन, मेहसाणा और पंचमहल में ८-८, दाहोद और -गांधीनगर में ७-७, अहमदाबाद और साबरकांठा में ६-६, छोटाउदेपुर और जूनागढ़ कॉर्पोरेशन में ५-५ समेत राज्यभर में ६७५ कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए। जबकि ४८४ मरीजों को ठीक होने के बाद बुधवार को डिस्चार्ज कर दिया गया। राज्य में अब तक २६७२५० लोग कोरोना को मात देकर अपने घर लौट चुके हैं। राज्य में फिलहाल कोरोना के ३५२९ सक्रिय मरीजों में ३४८२ स्टेबल हैं और ४७ मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

राज्य में कोरोना से अब तक ४४१८ मरीजों की मौत हो चुकी है। बुधवार को राज्य के बोटाद, डांग, पोरबंदर और वलसाड समेत ४ जिलों में कोरोना का एक भी केस दर्ज नहीं हुआ। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक १७१३४६७ लोगों को कोरोना का पहला और ४१९७९८ लोगों को दूसरा टीका लगाया जा चुका है।

वहीं आज ६० वर्ष से अधिक आयु के और ४५ से ६० साल से अधिक उम्र के गंभीर बीमारियों से पीड़ित ५७२७७ लोगों को कोरोना का पहला टीका लगाया गया।

गरीब परिवार के किरीट परमार बने अहमदाबाद के महापौर

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,बुधवार को अहमदाबाद समेत राज्य के छह नगर निगमों के महापौर, उप महापौर और स्थायी समिति के प्रमुखों के नाम का गुजरात भाजपा ने ऐलान कर दिया। गुजरात भाजपा ने गरीब परिवार से आए किरीट परमार को अहमदाबाद का महापौर बनाया है। किरीट परमार पूर्वी अहमदाबाद के ठक्कर बापानगर वार्ड से नगर पार्षद चुने गए हैं। गरीब परिवार से आनेवाले किरीट परमार का नाम महापौर की दौड़ में सबसे आगे था और भाजपा उन्हें अहमदाबाद महापौर नियुक्तकिया है। पूर्वी अहमदाबाद के बापूनगर क्षेत्र की वीरा भगत की चाली में किरीट परमार खपरैल की छत वाले एक कमरे मकान में रहते हैं। किरीट परमार को अहमदाबाद का महापौर बनाकर भाजपा ने स्पष्ट संदेश दिया है कि अमीर या गरीब पार्टी में सब एक समान हैं और सभी को अवसर मिलता है। भाजपा में सामान्य

और गरीब परिवार का व्यक्ति भी उच्च पद पर बिराजमान हो सकता है। अहमदाबाद के आधे से ज्यादा लोगों को पता नहीं होगा कि वीरा भगत की चाली कहां है। किरीट परमार अविवाहित हैं और महापौर के निवास में रहने जाने के बजाए चाली वाले घर में रहकर ही अहमदाबाद महानगर पालिका का कामकाज संभालेंगे।

अहमदाबाद का महापौर चुने जाने पर किरीट परमार की आंखों से आंसू छलक आए। बात करें अहमदाबाद के उप महापौर की तो इसके लिए गीता पटेल को चुना गया है। नारणपुरा वार्ड से निर्वाचित गीता पटेल को अहमदाबाद का उप महापौर नियुक्त किया है।

जबकि महानगर पालिका की स्थायी समिति का प्रमुख हितेश बारोट को बनाया गया है। हितेश बारोट केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के करीबी हैं और वे अहमदाबाद के थलतेज वार्ड से नगर पार्षद चुने गए हैं।

पीएम मोदी के गृहनगर की नगर पालिका बिल्डिंग का नाम बदलने की मांग

क्रांति समय दैनिक

अहमदाबाद,शहर के मोटेरा स्थित विश्व के सबसे बड़े स्टेडियम का नाम बदलने के बाद अब उनके गृहनगर की नगर पालिका इमारत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से जोड़ने की मांग उठने लगी है। बता दें कि अहमदाबाद के मोटेरा स्टेडियम का नाम बदलकर नरेन्द्र मोदी स्टेडियम रखा गया है। मेहसाणा जिले का वडनगर पीएम मोदी का गृहनगर है और इसकी नगर पालिका भवन का नाम नरेन्द्र दामोदरदास मोदी सेवा सदन करने की मांग शुरूहो गई है। पीएम मोदी वडनगर के मूल निवासी हैं और यहां उन्होंने बचपन गुजारा है और उनकी अनेक यादें इस शहर से जुड़ी हैं। इस वजह से वडनगर के लोगों ने नगर पालिका का नाम नरेन्द्र दामोदरदास मोदी सेवा सदन करने की मांग को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन दिया है। साथ ही वडनगर पुस्तकालय के निकट चौक का नाम भी नरेन्द्र मोदी चौक करने की मांग की है। वडनगर के लोगों को इस बात का गर्व है कि प्रधानमंत्री उनके शहर से है और उन्होंने शहर के विकास में कोई कसर नहीं छोड़ी। मोदी जिस चाय की दुकान पर चाय बेचते थे उस दुकान के साथ पूरे वडनगर रेलवे स्टेशन का विकास किया गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नरेन्द्र मोदी बचपन से साहसी थे और स्कूल में भी मोनिटर के चुनाव में निर्विरोध चुने जाते। राष्ट्र सेवा और समाज सेवा

सार-समाचार

राज्यपाल ने शिक्षा मंत्री की माता के निधन पर शोक व्यक्तकिया

अहमदाबाद,राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने राज्य के शिक्षा मंत्री भूपेन्द्रसिंह चूडास्मा की माता कमलाबा के निधन पर गहरा

दुःख व्यक्तकर सदगत को श्रद्धाजंलि दी है। राज्यपाल ने अपने शोक संदेश में कहा कि कमलाबा के निधन से उनके परिवार को अपूर्णीय क्षति हुई है। परम कृपालु परमात्मा उनकी दिव्य आत्मा को चिर शांति प्रदान करे ऐसी प्रार्थना राज्यपाल ने की है।

मंगेतर के आत्महत्या से व्यथित युवती ने फांसी लगाकर जान दी

जूनागढ़,जिले के सोंदरडा गांव में २० साल की एक युवती ने अपने घर में फांसी लगाकर जान दे दी। मंगेतर के आत्महत्या कर लेने से युवती कई दिनों से दुःखी थी। केशोद पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के मुताबिक जूनागढ़ जिले की केशोद तहसील के सोंदरडा गांव में रहनेवाली २० वर्षीय इन्दू डाह्याभाई सोलंकी नामक युवती की चार महीने पहले रोहित मकवाणा नाम के युवक के साथ सगाई हुई थी। सगाई के कुछ दिनों बाद रोहित ने किन्हीं कारणों से आत्महत्या कर ली। रोहित के जाने का आघात युवती बर्दाश्त नहीं कर पाई और गुमशुम रहने लगी। मंगेतर की आत्महत्या से व्यथित इंदू ने भी अपने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। केशोद पुलिस मामले की जांच कर रही है।

राज्यपाल से भारत स्थित बांग्लादेशके राजदूत ने मुलाकात की

अहमदाबाद,बुधवार को भारत स्थित बांग्लादेश के राजदूत मोहमद इमरान ने गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत से औपचारिक मुलाकात की। मुलाकात के दौरान मोहमद इमरान ने बताया कि वे गुजरात के सांस्कृतिक विविधता से बेहद प्रभावित हुए हैं। राजभवन में मोहमद इमरान से मुलाकात के दौरान राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने उन्हें स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

भाजपा के २५ साल के शासन में गुजरात पर बढ़ा २.९७ लाख करोड़ का कर्ज

गांधीनगर,कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि बीते २५ साल के भाजपा शासन में गुजरात पर सार्वजनिक कर्ज २.९७ करोड़ पर पहुंच गया है। जिसमें १.४६ लाख करोड़ का कर्ज पिछले सात साल में बढ़ा है। गुजरात विधानसभा में कांग्रेस के दंडक शैलेष परमार ने कहा कि वित्तमंत्री ने वर्ष २०२०-२१ में २.१७ लाख करोड़ का बजट पेश किया है, जिसमें पिछले साल के मुकाबले ९७४२ करोड़ रुपए की वृद्धि की होने का उल्लेख किया है। शैलेष परमार ने बताया कि वर्ष १९९५ में तत्कालीन मुख्यमंत्री छबीलदास मेहता सरकार

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

सुरक्षित है मनोहरलाल खट्टर सरकार, विधानसभा में गिरा विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव

चंडीगढ़। हरियाणा विधानसभा में कांग्रेस की ओर से भाजपा-जजपा सरकार के खिलाफ लाया गया अविश्वास प्रस्ताव बुधवार को गिर गया। विधानसभा के 55 सदस्यों ने अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ जबकि 32 सदस्यों ने पक्ष में वोट किया। मतों के विभाजन के बाद यह प्रस्ताव गिर गया। प्रस्ताव पर छह घंटे तक चली मैराथन चर्चा के अंत में विधानसभा अध्यक्ष ज्ञान चंद गुप्ता ने सदन में घोषणा की कि अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ 55 और पक्ष में 32 मत पड़े। अविश्वास प्रस्ताव के खिलाफ वोट डालने वाले 55 सदस्यों में से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 39, उसकी सहयोगी जननायक जनता पार्टी (जजपा) के 10, पांच निर्दलीय और हरियाणा लोकहित पार्टी से एक सदस्य शामिल हैं। कांग्रेस के 32 सदस्यों और दो निर्दलीय विधायकों ने अविश्वास प्रस्ताव के पक्ष में वोट किया। हरियाणा की 90 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में सदस्यों की कुल संख्या 88 है, जिसमें सत्तारूढ़ भाजपा के 40 सदस्य, जजपा के दस और कांग्रेस के 30 सदस्य हैं। सात निर्दलीय विधायक हैं और एक सदस्य हरियाणा लोकहित पार्टी का है, जिसने सरकार को अपना समर्थन दिया हुआ है।

नहीं थमा है कोरोना का कहर, दिल्ली में कोरोना वायरस संक्रमण के सबसे अधिक 370 नए मामले सामने आए

नयी दिल्ली। दिल्ली मेंबुधवार को लगभग दो महीने बाद कोरोना वायरस संक्रमण के सर्वाधिक 370 नए मामले सामने आए हैं और संक्रमण की दर बढ़कर 0.52 प्रतिशत हो गई है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी ताजा स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार तीन और रोगियों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 10,931 हो गई है। राष्ट्रीय राजधानी में 370 से अधिक मामले चार जनवरी को सामने आए थे। उस दिन 384 लोगों में वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई थी। बुलेटिन में कहा गया है कि बुधवार को संक्रमण के 370 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 6,42,030 हो गई है। दिल्ली में बुधवार को उपचाराधीन रोगियों की संख्या बढ़कर 1,900 हो गई। मंगलवार को उपचाराधीन रोगियों की संख्या 1,812 थी।

औरंगाबाद का नाम बदलने पर बोले उद्धव ठाकरे, ये अधिकार केंद्र का है राज्य सरकार का नहीं

मुंबई। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा है कि शहरों का नाम बदलने का अधिकार केंद्र सरकार को है, राज्य सरकार को नहीं। ठाकरे ने औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर रखने के मुद्दे पर राज्य विधानसभा में यह बयान दिया। नाम बदलने का समर्थन करने वाली शिवसेना को इस मुद्दे पर अपने सहयोगी दल कांग्रेस से विरोध का सामना करना पड़ रहा है। राज्य में विपक्षी दल भाजपा यह कहते हुए शिवसेना की आलोचना कर रही है कि उद्धव ठाकरे नीत पार्टी ने सत्ता में बने रहने के लिए अपनी पुरानी मांगों को त्याग दिया है। औरंगाबाद में इस साल निकाय चुनाव होने वाले हैं। भाजपा विधायक योगेश सागर द्वारा विधानसभा में मंगलवार को उठाए गए सवाल के जवाब में ठाकरे ने कहा कि 'शहरों का नाम बदलना, केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है, राज्य सरकारों के नहीं।' उन्होंने कहा कि औरंगाबाद का नाम बदलकर संभाजीनगर करने का विस्तृत प्रस्ताव, डिविजनल आयुक्त से चार मार्च 2020 को मिला था। उन्होंने कहा कि मामले के कानूनी पक्ष को देखते हुए कानून एवं न्याय विभाग से सुझाव मांगा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा, फ्सभी प्रकार की मंजूरी मिलने के बाद औरंगाबाद के डिविजनल आयुक्त का प्रस्ताव केंद्र को भेजा जाएगा।

गिलगित-बाल्टिस्तान की विधानसभा ने मंजूर किया पाक प्रांत बनाने का प्रस्ताव, भारत ने किया विरोध

इस्लामाबाद। गिलगित-बालतिस्तान की विधानसभा ने मंगलवार को सर्वसम्मति से एक संयुक्त प्रस्ताव मंजूर करते हुएपाकिस्तान की संघीय सरकार से क्षेत्र को प्रांत का दर्जा देने और संसद तथा अन्य संवैधानिक निकायों में प्रतिनिधित्व देने को कहा है। गिलगित-बालतिस्तान के मुख्यमंत्री खालिद खुर्शीद खान ने विधानसभा में प्रस्ताव रखा। खुर्शीद खान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी का प्रतिनिधित्व करते हैं। विपक्ष के नेता पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अमजद हुसैन, पाकिस्तान मुस्लीम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के प्रतिनिधि गुलाम मोहम्मद, मजलिस वहदातुल मुसलमीन (एमडब्ल्यूएम) के सदस्य मोहम्मद काजिम और जमीयत उलेमा-ए-इंसाफ (जेयूआई-एफ) के नेता रहमत खलीफ ने भी प्रस्ताव का समर्थन किया। भारत ने पूर्व में पाकिस्तान द्वारा ''तथाकथित गिलगित-बालतिस्तान'' को प्रांत का दर्जा दिए जाने के प्रयास की आलोचना करते हुए कहा था कि पड़ोसी देश की मंशा अवैध तौर पर कब्जाए गए क्षेत्र कोअपना हिस्सा बनाने की है। गिलगित-बालतिस्तान के नेताओं ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान सरकार को क्षेत्र को प्रांत का दर्जा देना चाहिए और संसद तथा अन्य संवैधानिक निकायों में उसे प्रतिनिधित्व देना चाहिए।

नई शिक्षा नीति पर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद बोले, समृद्ध विरासत को हासिल करने की दिशा में एक निर्णायक कदम

वेल्लोर (तमिलनाडु)। (एजेंसी)।

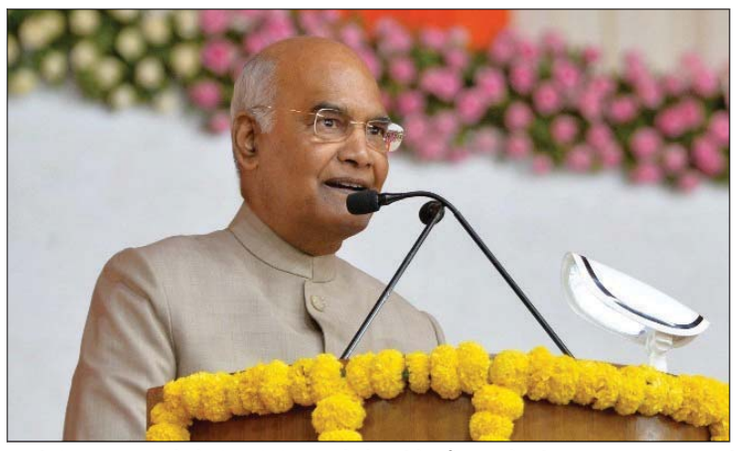

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने बुधवार को कहा कि भारत को समृद्ध शिक्षा प्रणाली की अपनी विरासत को फिर से हासिल करना है और नई शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 इस दिशा में एक पूर्ण नियोजित और निर्णायक कदम है। उन्होंने यहां थिरूवल्लूवर विश?वविद्यालय के 16वें दीक्षांत समारोह में कहा, ''ब्रिटिश शासन से पहले भारत में शिक्षा की समृद्ध व्यवस्था थी और महात्मा गांधी ने इसे एक 'सुंदर वृक्ष' कहा था जिसे ब्रिटिश शासकों ने 'सुधारों' के नाम पर काट दिया था। हमें अभी उन तीव्र बदलावों से उबरना है और अपनी विरासत को हासिल करना है।'' उन्होंने कहा, ''नई शिक्षा नीति 2020 इस दिशा में एक पूर्ण नियोजित और निर्णायक कदम है। इसमें बच्चों और युवाओं को समाज की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ व्यक्तिगत विकास का एक हिस्सा बनाने के लिए शिक्षित करने के तरीके को बदलने की एक समग्र दृष्टि है।'' राष्ट्रपति ने कहा कि नीति देश की प्राचीन धरोहरों और आधुनिक शिक्षा के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ है। कोविंद ने कहा, ''यह नैतिक शिक्षा और जागरूकता पर जोर देती है।

इस तरह की प्रणाली से होकर गुजरने वाले एक छात्र में आत्मविश्वास उच्च स्तर का होगा और वह भविष्य की चुनौतियों से बेहतर ढंग से निपटने में सक्षम होगा।'' राष्ट्रपति ने कहा, ''इसके लिए, उच्च शिक्षा प्रणाली को न्यायसंगत, विशेषज्ञता से पूर्ण और सशक्त बनाना होगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति इन उद्देश्यों को प्राप्त करना चाहती है। जैसा कि (नोबेल पुरस्कार विजेता) सर सीवी रमन ने कहा था कि उच्च शिक्षा संस्थानों को ज्ञान विस्तार और आर्थिक दिशा में देश का नेतृत्व करना चाहिए।'' उन्होंने कहा कि यह संतोष की बात है कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली का विस्तार ग्रामीण और कमजोर वर्गों तक पहुंच बनाने के लिए हुआ है। उन्होंने कहा, यह दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी शिक्षा प्रणाली बन गई है। बुधवार को स्नातकों के बीच महिलाओं की अधिक संख्या का जिक्र करते हुए कोविंद ने कहा, ''यह भारत के उज्ज्वल भविष्य को दर्शाता है।

फड़णवीस ने महाराष्ट्र के गृह मंत्री के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस पेश किया

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवेन्द्र फड़णवीस ने राज्य के गृह मंत्री अनिल देशमुख पर झूठे इल्जाम लगाने का आरोप लगाते हुए बुधवार को उनके खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस पेश किया। फड़णवीस ने विधानसभा में कहा कि देशमुख ने मंगलवार को सदन में उनपर 2018 में अन्वय नाइक आत्महत्या पर पर्दा डालने का आरोप लगाया। अलीबाग के रहने वाले इंटीरियर डिजाइनर नाइक ने साल 2018 में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। इस मामले के संबंध में पत्रकार अर्णब गोस्वामी को गिरफ्तार किया गया था। फड़णवीस ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने अपने फैसले में स्पष्ट रूप से कहा है कि राज्य सरकार ने आत्महत्या के लिये

उकसाने से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा 306 के तहत प्राथमिकी दर्ज की है, जो प्रथम दृष्ट्यागलत है। उन्होंने कहा, देशमुख ने जो कहा है वह अदालत की अवमानना है। साथ ही इसका मकसद विधायक के तौर पर मुझे मेरे कर्तव्यों का पालन करने से रोकने के समान है। विधानसभा के उपाध्यक्ष नरहरि जरवाल ने कहा कि वह नोटिस पर विचार के बाद उचित फैसला लेंगे।

राहुल ने दिए पार्टी में बड़े बदलाव के संकेत, युवा के साथ-साथ वरिष्ठ नेताओं को भी मिलेगा महत्व

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

कभी राजनीति में युवाओं को आगे बढ़ाने के पक्षधर रहे राहुल गांधी अब यह कह रहे हैं कि शुरुआती दौर में युवा चेहरों को आगे करना उनकी एक गलती थी। हालांकि, राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि युवा चेहरों के बजाय उन लोगों को ज्यादा महत्व दिया जाना चाहिए जिनमें कांग्रेस और कांग्रेस की विचारधारा के प्रति आस्था हो। यूथ कांग्रेस के दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने राजनीति में विश्वास और वफादारी को बेहद ही अहम बताया। इस बैठक में यूथ कांग्रेस ने राहुल गांधी को एक बार फिर से कांग्रेस का अध्यक्ष बनाए जाने के लिए प्रस्ताव पास किया। राहुल गांधी के इस बयान से एक बात साफ तौर पर स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि वह अब युवाओं के साथ साथ अनुभव को भी अपने टीम में रखना चाहते हैं।

राहुल गांधी के इस बयान से कई प्रकार के संकेत निकल कर सामने आ रहे है। सबसे बड़ी बात यह है कि अगर अब राहुल गांधी कांग्रेस का अध्यक्ष बनते हैं तो उनकी टीम में युवाओं के साथ-साथ वरिष्ठ और अनुभवी नेताओं को भी वरीयता दी जाएगी। ऐसी स्थिति उनके पहले कार्यकाल में नहीं दिखी थी और वरिष्ठ नेताओं की नाराजगी खुलकर सामने आने लगी थी। दूसरा यह है कि राहुल गांधी की टीम में उन लोगों को ज्यादा महत्व दिया जाएगा जो कांग्रेस के प्रति आस्था रखते हो। पार्टी की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्ध हो और दिल से पार्टी के प्रति समर्पित हो। राहुल गांधी ने अपने इस बयान से उन नेताओं को भी साधने की कोशिश की है जो राहुल गांधी को अध्यक्ष बनने के बाद से असहज दिख रहे थे। राहुल ने उन्हें इस बात का संकेत दिया है कि अगर वह अध्यक्ष बनते हैं तो उनकी टीम में उनका भी सम्मान किया जाएगा।

राहुल के इस बयान के बाद से राजनीतिक विश्लेषक यह दावा कर रहे हैं कि अगर एक बार फिर से वह कांग्रेस की कमान संभालते हैं तो उनकी टीम में इस बार बड़े बदलाव दिख सकते है। अपनो संबोधन में राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं को ही पार्टी की असली ताकत करार दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हमें ऐसे लोगों को मौका देना चाहिए जो पार्टी के साथ मजबूती से खड़ा रख सके। साथ ही साथ कांग्रेस से नाराज या नाराजगी के कारण पार्टी छोड़ जाने वाले नेताओं को भी राहुल गांधी ने संकेत दिया कि उनके लिए पार्टी का दरवाजा हमेशा खुला रहेगा।

भाजपा यदि शक्तिशाली और सत्तासीन है तो इसके लिये कांग्रेस जिम्मेदार है: मायावती

लखनऊ। (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने बुधवार को कहा कि आज अगर भाजपा शक्तिशाली व सत्तासीन है तो इसके लिए सबसे बड़ी ज़िम्मेदार और कसूरवार कांग्रेस पार्टी और उसकी गलत तथा जनविरोधी नीतियां हैं। उन्होंने कहा कि यह जग-ज़ाहिर है कि हर पार्टी के सामने उतार-चढ़ाव आते रहते हैं और आज़ादी के पश्चात लगभग 70 वर्षों तक लुप्तप्रायः रहने के बाद आज सत्तासीन जनसंघ/भाजपा की साम्प्रदायिकता व घिनौनी जनविरोधी एवं जातिवादी नीतियां, कांग्रेस सरकारों की तरह चरम पर हैं। ऐसा किसने सोचा था? आज भाजपा अगर शक्तिशाली व सत्तासीन है तो इसके लिए सबसे बड़ी ज़िम्मेदार तथा कसूरवार कांग्रेस पार्टी और उसकी गलत तथा जनविरोधी नीतियां हैं।

उन्होंने कहा कि केन्द्र व उत्तर प्रदेश की सरकार जन, समाज व देशहित को पीछे छोड़ अपनी शक्तियों का दुरुपयोग करके अपने विरोधियों की आवाज दबाने में लगी हुई हैं, जो भारत के लोकतंत्र के लिए अति-दुर्भाग्यपूर्ण है। इसे लेकर हर ओर चिंता पसरी हुई है। बसपा द्वारा बुधवार को जारी एक बयान में कहा गया कि चुनावी आदि की तैयारी के सम्बन्ध में गत पांच फरवरी को शुरू की गईं मण्डल व ज़िलावार समीक्षा बैठकों का पहला दौर आज समाप्त हो गया। इस दौरान उत्तर प्रदेश के सभी 18 मण्डल व 75 ज़िलों के पार्टी पदाधिकारियों ने अपनी-अपनी कमेटी की गतिविधियों से संबंधित विस्तृत रिपोर्ट पार्टी प्रमुख को पेश की।

बयान में कहा गया है कि इन समीक्षा बैठकों में बी.एस.पी. मूवमेन्ट के जन्मदाता व पार्टी संस्थापक कांशीराम की 15 मार्च को होने वाली जयंती से संबंधित कार्यक्रम पहले की तरह मनाने का फैसला लिया गया। मायावती ने मण्डल व ज़िला स्तरीय समीक्षा बैठकों में पंचायत व स्थानीय निकाय चुनाव से संबंधित पार्टी की तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में अगर ये चुनाव स्वतंत्र व निष्पक्ष ढंग से कराए गए तो आगामी विधानसभा चुनाव से पहले पूरे प्रदेश में केन्द्र व राज्य की सरकार के खिलाफ व्यापक जन असंतोष व जनाक्रोश देखने को मिलेगा।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के लिए 'करो या मरो' की स्थिति

कोलकाता। (एजेंसी)।

विश्व में लोकतांत्रिक तरीके से निर्वाचित एवं सबसे लंबे समय तक शासन करने वाली कम्युनिस्ट सरकार को हरा कर इतिहास रचने के करीब एक दशक बाद तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी हैं और इस बार, बंगाल विधानसभा चुनावों में उनके लिए 'करो या मरो' की स्थिति है। इस चुनाव में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख का राजनीतिक भविष्य दाव पर लगा हुआ है क्योंकि शिकस्त मिलने पर उनकी पार्टी के अस्तित्व पर सवालिया निशान लग सकता है, जो 2011 से राज्य में शासन कर रही है। लेकिन यदि वह चुनाव जीत जाती हैं, तो उन्हें नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा के विजय रथ को रोकने वाले नेताओं में गिना जाएगा।

मोदी के आलोचकों में शामिल ममता, न केवल भाजपा से लोहा ले रही हैं, बल्कि चुनाव से ठीक पहले उन्हें अपनी पार्टी के बागी नेताओं से भी चुनौती मिल रही है। 'डूबते जहाज' के तमगे से पीछा छुड़ाने को आतुर तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव में 'बंगाल को अपनी बेटी चाहिए' का नारा दिया है और बंगाली अस्मिता का कार्ड खेलते हुए भाजपा को 'बाहरी' लोगों की पार्टी करार दिया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रवक्ता सौगत रॉय ने कहा, 'इस बार मुकाबला कड़ा है क्योंकि हमारे सामने भाजपा है जो धन, बल और केंद्र सरकार की मशीनरी के इस्तेमाल से बंगाल में सत्ता हथियाना चाहती है। वर्ष 2011 और 2016 के विधानसभा चुनाव आज के मुकाबले कम तनाव देने वाले थे।' तृणमूल कांग्रेस के कई नेताओं ने इस बार चुनाव के नतीजों को भाग्य के सहारे छोड़ दिया है क्योंकि उनका मानना है कि विधानसभा चुनाव में हारने के बाद पार्टी का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। ममता ने भ्रष्टाचार और तुष्टिकरण की राजनीति करने के आरोपों को खारिज करते हुए विश्वास जताया है कि उनकी पार्टी आसानी से चुनाव जीत जाएगी और 220-294 सीटें प्राप्त करेगी। बंगाल में विधानसभा चुनाव आठ चरणों में होंगे और पहले चरण में 30 सीटों पर मतदान 27 मार्च को होना है। मतगणना दो मई को होगी। तृणमूल कांग्रेस 2001 और 2006 में चुनाव जीतने की नाकाम कोशिशों के बाद 2011 में कम्युनिस्ट सरकार को हराकर राज्य की सत्ता पर काबिज हुई थी। वर्ष 2016 में एक बार फिर कम्युनिस्ट पार्टी को हराकर और 211 सीटें प्राप्त कर बनर्जी ने ममता ने सत्ता पर अपनी पकड़ मजबूत की। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान बदलाव के संकेत दिखने लगे और भाजपा ने राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) तथा संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) के मुद्दों को उठाकर राज्य की 42 में से 18 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की और भगवा पार्टी को तृणमूल कांग्रेस से महज चार ही सीट कम मिली। राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक ने पीटीआई-से कहा कि पार्टी जून 2016 से कड़ी मेहनत कर रही है, ताकि उसकी राजनीतिक जमीन बची रहे और चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर तथा उनकी आई-पैक टीम को 2021 के विधानसभा चुनाव के लिए नियुक्त करना इसी दिशा में उठाया गया कदम है। 'स्थानीय' बनाम 'बाहरी' अभियान परसकारात्मक प्रतिक्रिया मिलती देख तृणमूल कांग्रेस नेतृत्व ने 'बंगाली गौरव' की भावना को जगाने का निर्णय किया है और भाजपा की अस्मिता की राजनीति को चुनौती देने के लिए ममता नीत पार्टी महिलाओं को केंद्र में रखकर चुनाव प्रचार अभियान कर रही है।

संसद ने माध्यस्थम और सुलह संशोधन विधेयक 2021 को मंजूरी दी

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

राज्यसभा ने बुधवार को माध्यस्थम और सुलह संशोधन विधेयक 2021 को मंजूरी प्रदान कर दी जिसमें भारत को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता के केंद्र के रूप में बढ़ावा देने की बात कही गई है। उच्च सदन ने हंगामे के बीच संक्षिप्त चर्चा के बाद इस विधेयक को ध्वनिमत से मंजूरी प्रदान कर दी। सदन में उस समय कांग्रेस के नेतृत्व में विपक्षी सदस्य किसानों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कराए जाने की मांग कर रहे थे। लोकसभा इस विधेयक को पहले ही पारित कर चुकी है। विधेयक पर हुयी चर्चा का जवाब देते हुए विधि मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा कि भ्रष्टाचार के खिलाफ मामलों में उनकी सरकार का सख्त रुख है और वह ईमानदारी से भारत को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता का केंद्र बनाना चाहती है। उन्होंने कहा कि सरकार का पूरा प्रयास है कि देश के करदाताओं के पैसों का दुरूपयोग नहीं हो। दुनिया में मध्यस्थता के कई मामले चल रहे हैं और सरकार भारत को भ्रष्ट तरीके से प्राप्त किये गए पंचाट (अवार्ड) का केंद्र नहीं बनने दे सकती। विधेयक में संस्थागत मध्यस्थता को बढ़ावा देने में उत्पन्न कठिनाइयों को दूर करने और भारत को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक मध्यस्थता के केंद्र के रूप में बढ़ावा देने की बात कही गई है। विधेयक के उद्देश्यों एवं कारणों में कहा गया है कि प्रतिष्ठित मध्यस्थों को आकर्षित करके भारत को अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक माध्यस्थम केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिये अधिनियम की आठवीं अनुसूची को खत्म करना आवश्यक समझा गया। इसके अनुसार उपरोक्त परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए माध्यस्थम और सुलह अधिनियम 1996 का और संशोधन करना आवश्यक हो गया। संसद सत्र में नहीं था और तत्काल उस अधिनियम में और संशोधन करना जरूरी हो गया था।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में किसानों की नाराजगी से भाजपा की रातो की नींद उड़ी

लखनऊ। (एजेंसी)।

केंद्र सरकार के तीन नये कृषि कानूनों को वापस लेने की मांग को लेकर दिल्ली की अलग-अलग सीमाओं पर सौ दिन से ज्यादा समय से चल रहे किसान आंदोलन का पश्चिमी उत्तर प्रदेश में व्यापक असर पड़ने और वहां के किसानों की नाराजगी बढ़ने से राज्य और केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी की चिंता बढ़ गई है। यही वजह है कि भाजपा सरकार और संगठन के लोग पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों को साधने के लिए पूरी ताकत से जुट गये हैं, जबकि विपक्षी दलों ने सरकार विरोधी आवाज मुखर करने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश का रुख कर लिया है।

एक तरफ कांग्रेस की महासचिव और उत्तर प्रदेश की प्रभारी प्रियंका गांधी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में जगह-जगह आयोजित होने वाली किसान महापंचायतों में पहुंच कर केंद्र सरकार पर निशाना साध रही हैं तो दूसरी तरफ समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अलीगढ़ के टप्पल में पांच मार्च को पहली बार किसान महापंचायत में शामिल होकर केंद्र और राज?य सरकार पर जमकर हमला किया। राष्ट्रीय लोकदल के चौधरी जयंत सिंह की भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों के बीच सक्रियता बढ़ी है और वह भी कृषि कानूनों के मामले को लेकर भाजपा सरकार पर खूब हमलावर दिख रहे हैं।

गणतंत्र दिवस पर दिल्ली में किसानों के विरोध के बाद भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने मीडिया के सामने फफक-फफक कर रोते हुए बयान दिया तो पश्चिम में उनके आंदोलन को नई जमीन मिल गई। इस बीच भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने पश्चिमी उप्र में किसानों को साधने और उन्हें सरकार और संगठन के प्रमुख लोगों से मिलाने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। मुजफ्फरनगर जिले के बुढ़ाना क्षेत्र के भाजपा विधायक उमेश मलिक शनिवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश के खापों के चौधरी और किसानों के साथ मुख्यमंत्री योगी आदित?यनाथ और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह से आकर मिले। विधायक उमेश मलिक के नेतृत्व में शनिवार को मुख्यमंत्री से मिलने आये प्रतिनिधिमंडल के चौधरी राजेंद्र सिंह मलिक, चौधरी सुभाष बालियान सर्वखाप मंत्री, चौधरी राजवीर सिंह मलिक थाम्बेदार, चौधरी हरवीर सिंह जैसे प्रमुख किसानों की ओर से एक बयान जारी किया गया।

इसमें कहा गया, केंद्र सरकार द्वारा लागू किये गये कृषि कानून किसान हितैषी हैं और यह कानून किसानों को सशक्त करने का प्रयास हैं। इन कानूनों का सबसे ज्यादा लाभ छोटे और सीमांत किसानों को मिलेगा, इसलिये वे इन कानूनों का समर्थन करते हैं। हालांकि, भाजपा के ही कुछ प्रमुख लोगों ने नाम नहीं छापने की शर्त पर बताया कि किसानों के मन में संशय और गुस्सा है और जो लोग समझ रहे हैं कि कुछ लोगों को साधकर किसानों की आवाज दबा दी जाएगी, तो यह उनकी भूल है। हरदोई जिले के गोपामऊ क्षेत्र के भाजपा विधायक श्याम प्रकाश ने तो आंदोलन के शुरुआती दिनों में अपने फेसबुक पेज पर कृषि कानूनों में संशोधन की मांग पोस्ट की और इसे अपनी निजी राय बताया था। श्याम प्रकाश ने मंगलवार को पीटीआई- से बातचीत में कहा, किसान कानून में संशोधन की बात सबके मन में है लेकिन पार्टी में किसी को कहने की हिम्मत नहीं है। उधर, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान की अगुवाई में प्रमुख भाजपा नेता, किसानों और वहां के प्रतिष्ठित लोगों को साधने में जुटे हैं।

दरअसल, फरवरी के आखिरी हफ्ते में केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों के आंदोलन के बीच शामली जिले में किसानों और खाप चौधरियों से बातचीत करने गए केंद्रीय राज्यमंत्री संजीव बालियान और भाजपा के अन्य नेताओं को किसानों की खासी नाराजगी झेलनी पड़ी थी। इस बीच पश्चिमी उत्तर प्रदेश में विपक्ष की सक्रियता बढ़ गई। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी सात मार्च तक चार बार पश्चिमी उप्र के किसानों की विभिन्न महापंचायत में शामिल हुईं। प्रियंका ने मेरठ में भाजपा पर जमकर हमला बोला और आरोप लगाया कि अंग्रेजों की ही तरह भाजपा सरकार किसानों का शोषण कर रही है।

सूत्रों के मुताबिक, गृह मंत्री और भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अमित शाह ने भाजपा से जुड़े किसान नेताओं और खास तौर से जाट नेताओं को खाप चौधरी और किसानों के बीच पहुंच कर कृषि कानूनों को लेकर भ्रांतियों को दूर करने की जिम्मेदारी दी है। इसी कड़ी में संजीव बालियान कुछ नेताओं को लेकर फरवरी माह के आखिरी हफ्ते में भैंसवाल गांव पहुँचे थे, जहाँ पर एकत्र हुए किसानों

ने बालियान और भाजपा के खिलाफ नारेबाजी की। तब वहां के किसान नेता सवीत मलिक ने कहा था केन्द्रीय मंत्री बालियान समेत भाजपा के कई जनप्रतिनिधि भैंसवाल गाँव में आए थे, जिनका विरोध हुआ और सरकार पहले दिन से इसे चंद किसानों का आंदोलन बताने की भूल कर रही है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 में मुजफ्फरनगर के सांप्रदायिक दंगे के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश ने भारतीय जनता पार्टी की जमीन मजबूत की लेकिन अब उसी इलाके में भाजपा को किसानों के विरोध का सामना करना पड़ रहा है। इससे भाजपा नेतृत्व की पेशानी पर बल आ गया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)